संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

# शहर समता

वर्ष-20 अंक- 320
पृष्ठ 8
शुक्रवार
09 अगस्त 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चों पर मंडरा रहा है काली... | विचार- दुश्मनी हसीना से है, हमसे नहीं | खेल- अब और ताकत नहीं बची, विनेश...

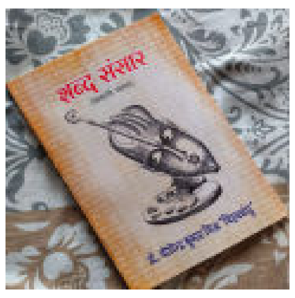

## शुभ प्राप्ति नई किताब

शब्द संसार मेंसांस लेती कहानियां किस्सागोई की शानदार वापसी

डॉक्टर योगेंद्र कुमार मिश्र विश्वबंधु हिंदी साहित्य के एक सुपरिचित कथाकार और कवि है और एक बहुत प्यारे इंसान। उनके दिल मेंपूरी दुनिया को अपनी बांहे फैला कर समेट लेने का जज्बा है और यही इन्हें एक अच्छा साहित्यकार बनाता है। मेरा सौभाग्य है कि कल डॉ योगेंद्र कुमार जी ने अपने अफसानोंकी नई किताब श्शब्द संसारश मुझे उपहार स्वरूप उपहार में दी।एक जिज्ञासु की तरह मैंने इस किताब की चार कहानियां बीती रात ही पढ़ डाली और मैंइस निष्कर्ष पर पहुंचा कि डॉक्टर योगेंद्र कुमार मिश्र एक अच्छे किस्सागो हैं। उनके पास कहने को बहुत कुछ है और अनुभवों का एक बड़ा खजाना भी वह अपने भीतर समेटे हुए हैं। वह कहते हैं कि बुनियादी रूप से श्मैं कथाकार ही हूं। कविताएं तो जब कभी मन होता है, मैं लिख लेता हूं लेकिन कविताएं लिखना मेरा मूल धर्म नहीं है। मूल काम अफसाने लिखना ही है । यह सच है कि योगेंद्र कुमार मिश्र विश्व बंधु के लिखे अफसाने आपको अपनी गिरफ्त से छूटने नहीं देंगे। उनकी कहानियों में कहानी का प्रवाह इतना तेज है कि आप दुनिया कैसे बदल रही है, इसे आसानी से देख सकते हैं। उन्होंने जिंदगी के सच को सच की तरह पेश किया है और उसमें झूठ मिलकर उसे रोचक बनाने की कोशिश न के बराबर की है, इसलिए उनके अफसाने भरोसे के काबिल है । इस किताब के सारे अफसाने मैं जल्दी ही पढ डालूंगा क्योंकि इसमें इनमें वह सारी खूबियां है जो किसी अच्छे अफसाने में होती है । यह पुस्तक बड़ी शालीनता के साथ छापी गई है । इसमें कहीं पर कोई दावा नहीं किया गया है । बस अपना लिखा पढा विनम्रता के साथ पाठकों के सामने रख दिया गया है। अवश्य ही पाठक न्याय करेंगे। यहां यह बताना अभी मुझे अच्छा लगेगा कि इस पुस्तक का आवरण चित्रकला जगत के जाने–माने चित्रकार रविंद्र कुशवाहा जी ने तैयार किया है जो अपने आप में समय के ऊपर एक बड़ी टिप्पणी है और लेखक का सम्मान है । आपको बहुत–बहुत बधाई।

" अजामिल

# वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में पेश

- विपक्ष ने किया विरोध
- हंगामेदार रहा आज का दिन

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद में आज का दिन काफी हंगामेदार रहा। जहां लोकसभा में वक्फ बिल को लेकर विपक्ष सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमलावार रहा। तो वहीं दूसरी ओर सरकार ने साफ तौर पर कहा कि उसका मकसद इस बिल के जरिए पारदर्शिता लाना है। यह बिल किसी के खिलाफ नहीं है। सरकार ने वक्फ संशोधन विधेयक को संसद की संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने की सिफारिश की। वहीं, वायुयान विधेयक पेश किया गया। दूसरी ओर राज्यसभा में भी आज विनेश फोगाट मामले को लेकर हंगामा देखने को मिला। वहीं, राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ इतने नाराज हो गए कि वह कुर्सी छोड़कर चले गए। सौगत रॉय ने किया कंगना को थप्पड़ मारे जाने का जिक्र कर दिया।

लोकसभा की कार्यवाही

– केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक पेश किया और फिर इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का प्रस्ताव दिया। रीजीजू ने सदन में 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024' को पेश किया और विभिन्न दलों की मांग के अनुसार विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का प्रस्ताव किया। विपक्षी सदस्यों ने विधेयक का पुरजोर विरोध किया और कहा कि यह संविधान, संघवाद और अल्पसंख्यकों पर हमला है। विपक्षी सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि विधेयक में किसी धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है तथा संविधान के किसी भी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं किया गया है।

– कांग्रेस सांसद के सी वेणुगोपाल ने कहा कि यह विधेयक संविधान पर हमला है। तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा कि यह विधेयक अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है तथा असंवैधानिक है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यह बहुत सोची समझी राजनीति के तहत हो रहा है। उन्होंने कहा कि विधेयक में सारी ताकत जिला अधिकारी को देने की बात की गई है और सबको पता है कि एक जगह एक जिलाधिकारी ने क्या किया था।

– भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने बृहस्पतिवार को सरकार से अनुरोध किया कि झारखंड में सत्तारूढ़ कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए दबाव बनाया जाए। लोकसभा में शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए झारखंड के गोड्डा से सांसद दुबे ने दावा किया कि देश के विभिन्न राज्यों में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है, जबकि झारखंड में इस वर्ग को केवल 14 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है।

– राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के दो प्रमुख घटक दलों जनता दल (यूनाइटेड) और तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि इससे वक्फ से जुड़ी संस्थाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। हालांकि, तेदेपा ने कहा कि इस विधेयक पर व्यापक विचार–विमर्श के लिए इसे संसदीय समिति के पास भेजा जाना चाहिए। जद(यू) के नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने लोकसभा में कहा, "कई (विपक्षी) सदस्यों की बातों से लग रहा है कि यह विधेयक मुसलमान विरोधी है। यह कैसे मुसलमान विरोधी है?"

– तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने बृहस्पतिवार को

हेल्थ सिटी अस्पताल का सीएम योगी ने किया उद्घाटन, कहा-

# यूपी में मिल रहा सस्ता और बेहतर इलाज

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ में हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। इस दौरान सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 25 करोड़ आबादी निवास करती है। यह देश का सबसे बड़ा राज्य है, जहां पर सबसे ज्यादा युवा निवास करते है।उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी देश की आजादी के लिए रोजगार के साधन जुड़ सके इसके लिए सरकार और सरकार की संस्थाओं के द्वारा किए जा रहे प्रयास के बाद भी उन्हें सम्मानजनक रोजगार प्राप्त हो उस क्षेत्र में किया जा रहा है, लेकिन बिना निजी संस्थाओं के बिना संभव नहीं है। लेकिन 20214 में सरकार बनने के बाद उत्तर प्रदेश की सरकार जहां पर भी रोजगार की संभावना मिल रही है उस दिशा में काम किया जा रहा है। उसकी क्रम में प्रदेश में 6 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी पूरी ईमानदारी से देने का कार्य हुआ है। सीएम ने कहा कि 20217 के पहले प्रदेश में कोई निवेश नहीं आना चाहता था, जो निवेश पहले से था वह यहां से जाना चाहता था, क्योंकि निवेश की एक शर्त होती है कि उसके कानून की सुरक्षा मिले। जब हम निवेशों बता की तो उन्हें कानून का भरोसा दिया। उसके बाद से प्रदेश में निवेश बढ़े है। योगी ने कहा कि जब हमने प्रयास किया तो प्रदेश में निवेश 40 लाख करोड़ तक निवेश हुआ। निवेश छोटा हो या बड़ा हो यह माने नहीं रखता है। इसके साथ विकास के द्वार खुलता है, एक अस्पताल के एक अस्पताल नहीं होता यह सेवा का माध्यम तो है लेकिन कई लोगों को रोजगार का अवसर मिलता है। हेल्थ सिटी अस्पताल के उद्घाटन के दौरान सीएम योगी ने डॉक्टर संदीप कपूर की पूरी टीम को सीएम योगी ने बधाई दी। मंच पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक मेयर सुषमा खर्कवाल विधायक बीकेटी योगेश शुक्ला मौजूद रहे।

## अरविंद केजरीवाल को फिर नहीं मिली राहत, 20 अगस्त तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली, एजेंसी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 20 अगस्त तक बढ़ा दी। उन्हें तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कथित आबकारी नीति घोटाले से उपजे भ्रष्टाचार के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को बरकरार रखा था। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि यह नहीं कहा जा सकता कि गिरफ्तारी बिना किसी उचित कारण के की गई। उच्च न्यायालय ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक की जमानत याचिका को निस्तारित कर दिया और उन्हें राहत के लिए अधीनस्थ अदालत में जाने की छूट प्रदान की। उच्च न्यायालय ने सीबीआई द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर 17 जुलाई को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने केजरीवाल और केंद्रीय एजेंसी के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद 29 जुलाई को 'आप' नेता की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। केजरीवाल को सीबीआई ने 26 जून को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था, जहां वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धन शोधन के एक मामले में न्यायिक हिरासत में बंद थे। मुख्यमंत्री को 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था और धन शोधन मामले में निचली अदालत ने 20 जून को उन्हें जमानत दे दी थी।

# लगातार बदल रही बांग्लादेश में स्थिति : जयशंकर

- भारत को उम्मीद, जल्द बहाल होगी कानून और व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में होने की खबरों को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्री जयशंकर ने साफ तौर पर बताया कि शॉर्ट नोटिस पर शेख हसीना भारत पहुंची थीं। ऐसे में फिलहाल इससे ज्यादा जानकारी अभी नहीं दी जा सकते। अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर देश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हमारी नजर है। विदेश मंत्री ने इस पर संसद में भी बयान दिया है। हम लगातार इसको लेकर कई कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम बांग्लादेश में जल्द से जल्द कानून व्यवस्था दुरुस्त होने की कामना करते हैं। रणधीर जायसवाल ने कहा कि हर सरकार की जिम्मेदारी है कि अपने लोगों का ध्यान रखें। उनके हित में काम करें। लेकिन कितनी क्षति हुई है इसकी जानकारी या आंकड़े हमारे पास नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों की सुरक्षा को लेकर हमारे वहां के अधिकारियों से बातचीत चल रही है। हम अपने लोगों का ध्यान भी रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति बदल रही है। खबर है कि आज शाम को अंतरिम सरकार का शपथग्रहण होगा। एक बार जब ये सब हो जाएगा, तो मैं एक बात पर जोर देना चाहूंगा कि भारत सरकार और भारत के लोगों के लिए बांग्लादेश के लोगों का हित सर्वोपरि है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस मुद्दे को विदेश मंत्री ने अपने स्वप्रेरणा वक्तव्य में संबोधित किया था। हम अल्पसंख्यकों की स्थिति के बारे में भी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। ऐसी भी रिपोर्टें हैं कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए समूहों और संगठनों द्वारा विभिन्न पहल की गई हैं। उन्होंने कहा कि मैं संसद में विदेश मंत्री द्वारा कही गई बात को दोहराना चाहूंगा, हम इन कदमों का स्वागत करते हैं, लेकिन स्वाभाविक रूप से हम तब तक बहुत चिंतित रहेंगे जब तक कानून और व्यवस्था स्पष्ट रूप से बहाल नहीं हो जाती।' उन्होंने कहा कि हम यह भी स्पष्ट करना चाहते हैं कि हर सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपने सभी नागरिकों की भलाई सुनिश्चित करे। हम बांग्लादेश में कानून और व्यवस्था की जल्द बहाली की उम्मीद करते हैं। यह देश और पूरे क्षेत्र के हित में है। विदेश मंत्री जयशंकर और ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी के बीच बांग्लादेश पर हुई चर्चा के बारे में पूछने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, "विदेश मंत्री ने कुछ घंटे पहले ही विदेश सचिव डेविड लैमी से बातचीत की थी।

विद्या- गीत
विषय - सावन

कलित काशी है गंगा है औ गौरा हैं,
औ हैं गणपति,
मेरे भोले हैं अवढरदानि इससे,
विश्व है अवगत,
सरस कविता के गंगाजल को,
हिय- कांवर में लाई हूं,
मैं इस सावन में भोले तुमसे ,
कुछ लेने को आयी हूं ।

विश्व विख्यात है यह बात कि,
तुम अवढरदानी हो,
सरस कविता के जल से मेरे,
तुम अभिषेक कामी हो,
यहां किस ओर गौरा की ,
निगाहों में बसे हो तुम,

दरश कर दो सुलभ भगवन्
कलश भक्ति का लायी हूं।
मैं इस सावन में भोले तुमसे,
कुछ लेने को आयी हूं।

भक्ति श्रद्धा की वट शाखा में लम्बित,
इस हिंडोले में -2
तुम्हे गौरा के संग में झूलते ,
लखने मैं आयी हूं ,
मैं इस सावन में भोले तुमसे,
कुछ लेने को आई हूं ।

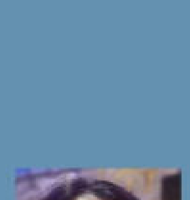

अनामिका तिवारी
"अन्नपूर्णा"

# 10 अगस्त को पीएम मोदी जाएंगे वायनाड, हवाई यात्रा के जरिए लेंगे जायजा

- वायनाड आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करें : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 10 अगस्त को वायनाड का दौरा करेंगे। उनसे उस तबाही का हवाई सर्वेक्षण करने की उम्मीद है जिसमें 300 से अधिक लोगों की जान चली गई। स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, एक सप्ताह से अधिक समय पहले उत्तरी केरल जिले में हुए भारी भूस्खलन के बाद 138 लोग अभी भी लापता हैं। भूस्खलन प्रभावित चूरलमाला और मुंडक्कई क्षेत्रों से लापता लोगों की तलाश अभी भी जारी है और सेना और नौसेना सहित विभिन्न बलों के 1,026 कर्मी, 500 से अधिक स्वयंसेवक और भारी मशीनरी वहां तैनात की गई है। केरल सरकार ने कहा कि 30 जुलाई को वायनाड जिले में हुए भीषण भूस्खलन के बाद लापता हुए लोगों की पूरी सूची जल्द ही जारी की जाएगी। सरकार की ओर से लापता लोगों की सटीक सूची तैयार की जा रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार से केरल के वायनाड में हालिया आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का आह्वान किया। शून्यकाल के दौरान बोलते हुए, गांधी ने प्रभावित लोगों के लिए उच्च मुआवजे की भी मांग की। वायनाड भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, "मैंने इसे अपनी आँखों से देखा। मैंने कई अलग–अलग स्थानों का दौरा किया जहां आपदा हुई थी। कुछ मामलों में, एक पूरा परिवार चला गया है, केवल एक व्यक्ति बचा है, कभी–कभी कोई वयस्क या बच्चा।" उन्होंने आपदा के दौरान मदद करने वालों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। गांधी ने कहा कि 200 से अधिक लोगों की मौत और बड़ी संख्या में लापता होने के कारण, मरने वालों की अंतिम संख्या 400 से अधिक हो सकती है।

लोकरंजन प्रकाशन एवं शहर समता के संयुक्त तत्वावधान में

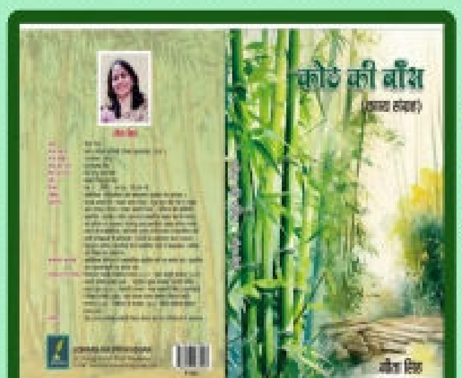

कवयित्री गीता सिंह के कविता संग्रह "कोठ की बाँस" का लोकार्पण एवं काव्यगोष्ठी

अध्यक्षता - डॉ कल्पना वर्मा जी
मुख्य अतिथि - डॉ रामजी मिश्र जी
विशिष्ट अतिथि - वरिष्ठ कवयित्री प्रेमा राय जी
कार्यक्रम स्थल - शहर समता का कार्यालय कर्नलगंज गंज थाने के पीछे
दिन - 11 अगस्त (रविवार)
समय - दिन में 3 बजे से
निवेदक - गीता हास्पिटल टैगोर टाउन, प्रयागराज

# प्रयागराज में गंगा-यमुना उफान पर, करेली के कई मोहल्ले जलमग्न, राहत और बचाव में जुटी फोर्स

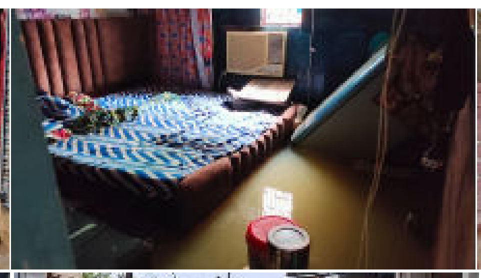

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा और यमुना उफान पर हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड में हो रही भारी के चलते जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही है। माता टीला बांध से गंगा में करीब डेढ़ लाख क्यूसेक पानी छोड़े जो का असर भी गंगा में दिख रहा है। संगम तट पर स्थित श्री बड़े हनुमान मंदिर जलमग्न हो गया है। इसके बाद बाढ़ का पानी और शहर के निचले इलाके में प्रवेश करने लगा है। तराई इलाकों में मुश्किलें बढ़ने लगी हैं। लोग सुरक्षित स्थानों पर शरण ले रहे हैं। सिंचाई विभाग बाढ़ प्रखंड के अनुसार बृहस्पतिवार को गंगा का जलस्तर स्थिर रहा, जबकि यमुना में जल स्तर खिसकने की सूचना है। गंगापार और यमुनापार के इलाकों में बाढ़ का भारी असर देखने को मिल रहा है। बदरा सोनौटी समेत कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। करेली इलाके में ससुरखदेरी नदी का पानी भर गया है। कई मोहल्ले पूरी तरह से टापू में तब्दील हो गए हैं। बाढ़ की भयावहता बढ़ती ही जा रही है। यमुना में बाढ़ आने के कारण तराई इलाकों में सब्जी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। बाढ़ में सब्जी की फसल समा न जाए इसको देखते हुए पानी आने के पहले ही किसानों ने सब्जी की खड़ी फसलों को उजाड़ दिया। सैकड़ों बीघे परवल की खेती समय के पहले ही उजाड़ दी गई। मेजा में बिहार के किसान आकर परवल की खेती करते हैं। यह सैकड़ों बीघे में बोई जाती है और कई जिलों के साथ दूसरे प्रदेश में भी आपूर्ति की जाती है। बाढ़ के चलते पूरी फसल चौपट हो गई।

**कछार के निचले इलाकों में घुसा बाढ़ का पानी**

गंगा और यमुना समेत अन्य नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। कछार के निचले इलाके की बस्तियों में बुधवार को बाढ़ का पानी घुस गया। यहां रहने वाले परिवारों ने सामान समेटना शुरू कर दिया। अगर जलस्तर में बढ़ोतरी की यही रफ्तार रही तो एक-दो दिनों में बड़ा इलाका बाढ़ की चपेट में आ जाएगा। यमुना नदी के जलस्तर में बुधवार सुबह तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे में दो मीटर से भी अधिक जलस्तर बढ़ गया। इसका असर गंगा के कछारी इलाके में दिखा। पानी छोटा बघाड़ा में बस्ती तक पहुंच गया। गंगा की मूल धारा के करीब बने मकान पानी में घिर गए हैं। झूंसी के बदरा-सोनौटी की बस्ती में पानी घुस गया तथा नाव चलने लगीं हैं। छोटा बघाड़ा, ठरेरिया आदि इलाके के लोग अपना सामान समेटने लगे हैं। छोटा बघाड़ा के विनोद कुमार, रमेश कुमार आदि का कहना था कि बाढ़ में एक तल पूरा डूब जाता है। ऐसे में जरूरी सामान वह दूसरी जगह ले जा रहे हैं। शेष सामान छत पर रख देंगे। दारागंज में बांध के नीचे पानी भर गया है। निराला चौराहे के पास तो बांध की सड़क भी डूब गई है। इसकी वजह से कई दुकानदारों तथा अन्य लोगों को सामान हटाना पड़ा। बेली कछार, नेवादा, राजापुर आदि इलाकों के निचले इलाकों में नदियों का पानी घुसने लगा है। बुधवार को दिन में यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी की रफ्तार कुछ कम हो गई लेकिन अब गंगा में पानी बढ़ने लगा है। गंगा के जलस्तर में करीब छह सेमी प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ोतरी दर्ज की गई। बताया जा रहा है कि अभी जलस्तर में बढ़ोतरी होगी।

जिला प्रशासन, सिंचाई विभाग समेत अन्य संबंधित विभागों के अफसरों ने बुधवार को संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। एसडीएम सदर अभिषेक सिंह का कहना है कि अभी नदियों का पानी बस्तियों में नहीं घुसा है लेकिन जल्द ही लोगों के बाढ़ की चपेट में आने की आशंका है। इसे देखते हुए आश्रय स्थल, राशन समेत अन्य जरूरी इंतजाम किए गए हैं।

**बारिश में नाला उफनाया, करेली के सैकड़ों घरों में घुसा पानी**

नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी के बीच बुधवार को हुई बारिश से शहरियों की मुसीबत और बढ़ गई। करेली में नाला जाम होने की वजह से सैकड़ों घरों में पानी घुस गया। सामान भी तैरने लगे। गौसनगर, गड्ढा कॉलोनी आदि इलाके में करीब 10 घंटे तक यह स्थिति बनी रही। बुधवार की सुबह तेज बारिश हुई। इसके बाद जार्जटाउन, अल्लापुर, मलाकराज, करेली समेत कई इलाकों में जलभराव हो गया। मेडिकल कॉलेज चौराहे पर सीवर का ढक्कन ओवरफ्लो करने लगा। इससे आवागमन प्रभावित रहा। ज्यादातर जगहों से तो सुबह नौ बजे तक पानी निकल चुका था लेकिन करेली के बड़े इलाके में जलभराव से लोगों को काफी मुसीबत उठानी पड़ी। गौसनगर, गड्ढा कॉलोनी, आशियाना, अइनुद्दीनपुर आदि मोहल्लों में कमर से ऊपर तक पानी भर गया। लोगों के आधा तल तक मकान डूबे। घरों में रखे सामान तैरने लगे। अइनुद्दीनपुर के शकूर, मोहम्मद इम्तियाज आदि का कहना था कि यह क्षेत्र पहली बार बारिश में इस तरह से डूबा है। नाले पर अवैध कब्जा हो गया है। इसके अलावा पाइपलाइन भी बेतरतीब तरीके से डाली जा रही है। इसकी वजह से पानी घंटों तक नहीं निकला। गौसनगर के इमरान, आशियाना के जावेद, गड्ढा कॉलोनी के शानू आदि के भी घरों में पानी घुस गया था। उनका कहना था कि शाम को पानी निकला। इसके बाद पूरे घर में गंदगी रही। उनका कहना था कि इसकी वजह से कई सामान खराब हो गए।

**आई एनडीआरएफ-सीडीआरफ की टीम, प्रशासन अलर्ट**

खतरे का निशान 84.734 मीटर है। गंगा और यमुना दोनों ही नदियों का जलस्तर बुधवार देर रात तक 82 मीटर के करीब पहुंच गया था। फाफामऊ में भी गंगा का स्तर 80 मीटर के करीब पहुंच गया था। अफसरों का कहना है कि जलस्तर में बढ़ोतरी जारी रहने की उम्मीद है। ऐसे में पूरी तैयारी कर ली गई है। एनडीआरएफ और सीडीआरएफ की एक-एक टीम बुला ली गई है। एनडीआरएफ की टीम में 35 सदस्य हैं। पीएसी की दो कंपनी बुला ली गई है। जल पुलिस, नावों आदि के इंतजाम भी किए गए हैं।

अभी बस्तियों में नदियों का पानी नहीं घुसा है लेकिन जलस्तर बढ़ रहा है। इससे बाढ़ की आशंका है। इसे देखते हुए पूरी तैयार की गई है। राहत शिविरों में बाढ़ पीड़ितों के रहने की व्यवस्था की गई है। –

विनय कुमार सिंह, एडीएम वित्त एवं राजस्व

**इंटरलाकिंग और नाली बनवाने की मांग**

प्रीतम नगर के लोगों ने नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर इंटरलॉकिंग कराने तथा नाली बनवाने की मांग की है। लोगों का कहना था कि उनकी सड़क पर 20 मकान के अलावा स्कूल भी है। वह 15 वर्ष पहले बनी थी, जो अब खराब हो गई है। नाली जगह-जगह से टूट गई है। इसकी वजह से बारिश में जलभराव की समस्या रहती है। उनका कहना था कि ऑनलाइन शिकायत की गई थी। इसके बाद 29 जुलाई को अपर नगर आयुक्त ने निरीक्षण भी किया था लेकिन इसके बाद कुछ नहीं हुआ। लोगों ने सड़क के साथ नाली का निर्माण कराने की मांग की। मांगपत्र सौंपने वालों में अशोक कुमार सिंह, शिवप्रकाश जायसवाल आदि शामिल रहे।

**3091 रुपये की होगी राशन किट**

बाढ़ पीड़ितों के लिए राशन का पैकेट तैयार किया गया है। पूरा पैकेट 3091 रुपये का होगा। इसमें आटा, चावल, अरहर दाल, हल्दी, मिर्च, सब्जी मसाला, सरसों का तेल, नमक, आलू, लाई, भुना चना, गुड़, बिस्कुट, माचिस, मोम बत्ती, नहाने का साबुन आदि सामान शामिल है। बाढ़ पीड़ितों के लिए आश्रय स्थल भी बना लिए गए हैं। स्टैनली रोड पर महबूब अली इंटर कॉलेज, बघाड़ा में एनी बेसेंट, राजापुर में ऋषिकुल विद्यालय समेत सात आश्रय स्थल अभी से तैयार कर लिए गए हैं। इनमें गद्दे आदि रखवा दिए गए हैं। खाना के पैकेट, नाश्ता आदि के भी इंतजाम किए गए हैं।

**मोरी और बख्शी बांध गेट बंद**

प्रयागराज। मोरी और बख्शी बांध गेट बंद कर दिया गया है। बख्शी बांध गेट मंगलवार की रात में ही बंद कर दिया गया था। मोरी गेट बुधवार की सुबह करीब साढ़े सात बजे बंद किया गया। पानी निकालने के लिए पंप भी चला दिए गए हैं। जलकल के महाप्रबंधक कुमार गौरव ने बताया कि जरूरत के अनुसार पंप चलाए जाएंगे। उन्होंने अभी यमुना का जलस्तर चेतावनी स्तर से नीचे है। इसलिए अभी चाचर नाले के गेट को बंद नहीं किया गया है।

करेली के कई मुहल्लों में बाढ़ का पानी घुस जाने के कारण लोग पलायन करने के लिए मजबूर हो गए हैं।

## बाढ़ से 3 हजार नाविकों की जीविका पर खतरा

*प्रयागराज में गंगा-यमुना उफान पर, नाव पर लगाया ताला, बोले- 2 महीने मुश्किल से कटते हैं*

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा और यमुना दोनों नदियां ऊफान पर हैं। संगम क्षेत्र का पूरा इलाका जलमग्न हो गया है। अब ऐसे में जो नाविक यहां पर्यटकों को संगम की सैर कराके कमाई करते थे अब उन पर आर्थिक तंगी का असर दिखने लगा है। संगम क्षेत्र में करीब 3 हजार नाविक हैं, इसी कमाई से इनके परिवार का खर्च चलता है लेकिन बाढ़ आते ही इनके परिवार पर सबसे ज्यादा संकट आ जाता है। यह नाविक अपनी नाव लेकर बांध के पास आदि शंकर मंडपम् के सामने बांध दिए हैं।

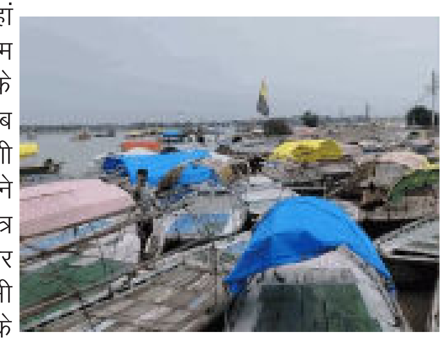

बाढ़ आते ही बंद हो जात है हमारा धंधाः संगम पर नाव चलाने वाले देशराज निषाद बताते हैं कि "पूरे साल के 10 महीने यहां नाव चलाकर कमाते हैं लेकिन बारिश और बाढ़ के दिनों में वह बेरोजगार हो जाते हैं।" नाविक संघ के संगठन मंत्री ननका निषाद बताते हैं कि गंगा और यमुना इस समय अपने रौद्र रूप में हैं। इन्हीं नदियों के सहारे 3 हजार नाविकों के परिवार का खर्च चलता है। मां गंगा और यमुना हम नाविकों के लिए जीवनदायिनी हैं। करीब 2 महीने हम नाविकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

यहां हर सीजन में बदलता है दुकान का स्थान : शिवकली देवी कई वर्षों से संगम क्षेत्र में फूल माला बेचती हैं और इससे जो आमदनी होती है उससे अपने परिवार का खर्च चलाती हैं। अब बाढ़ के चलते वह बांध के पास आ गई हैं। वह कहती हैं कि यहां हमेशा गंगा-यमुना घटती और बढ़ती रहती हैं इसलिए हर सीजन में हम लोगों का स्थान बदलता रहता है। अब बाढ़ आने के चलते बहुत कम लोग आ रहे हैं इससे धंधे पर बहुत असर पड़ा है।

## मेरे बेटे को परेशान करते थे बहू और उसका प्रेमी

*प्रयागराज में युवक की मौत के बाद बाप पहुंचा थाने, बोला- दोनों की वजह से बेटा मर गया*

प्रयागराज। प्रयागराज में एक युवक की खुदकुशी के मामले में उसकी पत्नी और आशिक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। युवक की आत्महत्या के बाद पुलिस ने अपनी जांच में पाया कि युवक को पत्नी उलाहना देती थी। साथ ही पत्नी का प्रेमी अभद्रता करता था। युवक के पिता ने तहरीर देकर बहू और उसके प्रेमी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस जांच कर रही है। मामला प्रयागराज के एयरपोर्ट इलाके का है। असल में एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के भीखपुर मेडवारा गांव के रहने वाले बैजनाथ रविदास के बेटे विजय कुमार उर्फ बब्बू ने 16 जुलाई को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घर में सुसाइड नोट मिला था। सुसाइड नोट में उसने पत्नी और उसके प्रेमी पर परेशान करने, आत्महत्या के लिए उकसाने का आरो लगाया था। इस मामले में पुलिस जांच कर रही थी।

ससुर ने दी बहू के खिलाफ तहरीरः अंत में विजय के पिता बैजनाथ ने पुलिस को तहरीर देकर कहा कि उसकी बहू अनामिका उर्फ पूजा और उसका प्रेमी रानू बेटे से मारपीट कर उसे परेशान करते थे। आए दिन ताना मारते थे। पत्नी की बेवफाई से आजिज आकर ही उसने आत्महत्या कर ली। जांच के बाद पुलिस ने ससुर की तहरीर पर बहू और उसके प्रेमी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी एयरपोर्ट ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

## मांडा में कटान रोकने के नाम पर 12 करोड़ रुपये की परियोजना बेकार, दो गांवों का अस्तित्व खतरे में

प्रयागराज। 12 करोड़ रुपये की लागत वाली जियो टेक्सटाइल ट्यूब कटर योजना गंगा की कटान रोकने में असफल साबित हुई है। तटवर्ती चौकठा नरवर, उमापुर कलां समेत कई गांवों की भूमि नदी में समाहित होने की कगार पर है। जिम्मेदारों की सुस्ती से इस गांवों में कृषि भूमि लगातार कटान में विलीन होती जा रही है। बाढ़ प्रखंड के एसडीओ दिनेश त्रिपाठी ने इस मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है। इस इलाके में गंगा की कटान से चौकठा नरवर, उमापुर कला, अछोला, बेरूका, डेंगुरपुर, महेवा खुर्द, महेवा कला समेत दर्जनों गांवों की अब तक 600 बीघे जमीन कटान में समाहित हो चुकी है। ऐसी नहीं कि यह समस्या यहां पहली बार पैदा हुई है। इससे पहले भी कटान से परेशान किसान बचाव के लिए गुहार लगाते रहे हैं। आंदोलन के बाद कटान रोकने के लिए बाढ़ प्रखंड से 12 करोड़ रुपये की जियो टेक्सटाइन ट्यूब कटर योजना को मंजूरी मिली थी। चालू वर्ष काम पूरा हुआ, लेकिन कटान नहीं रोकी जा सकी। इसके पीछे मानक के अनुरूप काम का न होना बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि चौकठा नरवर, उमापुर कला में जिन स्थानों पर काम हुआ, वहां की गुणवत्ता खराब होने के कारण गंगा के जलस्तर में वृद्धि होने से फिर कटान शुरू हो गई है।

बाढ़ के दौरान ग्रामीण अपना घर और जमीन खोते हैं। खतौनी में भले ही जमीन हो, लेकिन हकीकत में वह गंगा में समाहित हो चुकी है।– गिरजाशंकर पांडेय, पूर्व प्रधान, डेंगुरपुर।

महेवा कला गांव की खेती योग्य कई बीघे भूमि जलमग्न हो चुकी है। सरकार इन किसानों को मुआवजा उपलब्ध कराए। –दीपक कुमार, प्रधान, महेवाकला

किसानों की इस पीड़ा का निवारण होना चाहिए। गंगा की कटान में लोगों ने अपने घर तक गवां दिए हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित मल्लाह समाज के लोग हैं। रामकिशुन, प्रधान, उमापुर कला।

अछोला, चौकठा नरवर और उमापुर गंगा घाट पर जियो टेक्सटाइल ट्यूब कटर का निर्माण पूरा हो गया है। यदि कटान हो रही है तो इसकी जांच कराई जाएगी और उक्त स्थान को परियोजना से जोड़कर कटानरोधी कार्य कराए जाएंगे। – दिनेश त्रिपाठी, एसडीओ, बाढ़ प्रखंड।

गंगा में नाव संचालन बंदः मांडा। गंगा के जलस्तर में बृद्धि को लेकर डेंगुरपुर-धनतुलसी फेरी गंगा घाट पर नाव का संचालन बंद कर दिया गया। जिससे राहगीरों के लिए मुश्किलें बढ़ गईं। गंगा में बढ़ते जलस्तर को लेकर बुधवार शाम से अफसरों के निर्देश पर डेंगुरपुर-धनतुलसी फेरी गंगा घाट पर नाव का संचालन बंद कर दिया गया। नाव संचालन बंद होने से राहगीरों को 50 किमी का अतिरिक्त चक्कर काटकर मिर्जापुर व प्रयागराज शहर होकर यात्रा पूरी करनी पड़ेगी। जिससे राहगीरों की मुश्किलें बढ़ गई।

# हाईकोर्ट ने एसपी कुशीनगर से पूछा...भूत निर्दोषों पर कैसे दर्ज करा रहा मुकदमा

कुशीनगर। सुनकर के अजीब लगेगा, लेकिन सच है। कुशीनगर में मृत व्यक्ति के नाम से 2014 में जमीनी विवाद को लेकर एक ही परिवार के पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर लिखाई गई। विवेचक ने उसका बयान दर्ज कर आरोप पत्र भी दाखिल कर दिया। ट्रायल कोर्ट ने केस का संज्ञान भी ले लिया। अब हाईकोर्ट ने मामले को रद्द करते हुए एसपी से पता लगाने को कहा है कि कोई भूत कैसे निर्दोष लोगों को फंसा रहा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के समक्ष इसका खुलासा तब हुआ जब कुशीनगर के हाटा थाना क्षेत्र के आरोपी पुरुषोत्तम सिंह, उनके दो भाई और दो बेटों ने पुलिस की ओर से दाखिल आरोप पत्र को चुनौती दी। न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की अदालत में बताया गया कि वर्ष 2014 में पुरुषोत्तम व अन्य के खिलाफ शब्द प्रकाश नाम के शख्स ने धोखाधड़ी और कूटरचना की एफआईआर दर्ज कराई है। याची के अधिवक्ता राजेश कुमार सिंह ने दलील दी कि शब्द प्रकाश से आरोपियों का पुराना जमीनी विवाद चल रहा था। मामले के विवेचक ने शब्द प्रकाश का बयान दर्ज कर सबके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया, जबकि शब्द प्रकाश की मौत वर्ष 2011 में ही हो चुकी है। इसकी तस्दीक शब्द प्रकाश की पत्नी ममता के बयानों और पेश किए गए मृत्यु प्रमाण पत्र से भी होती है। इस जानकारी से हैरान कोर्ट ने सवाल किया अगर शब्द प्रकाश की मौत 2011 में हो गई थी तो 2014 में क्या भूत ने एफआईआर दर्ज करवाई है? क्या विवेचक ने भूत का बयान दर्ज करके आरोप पत्र दाखिल किया है? यही नहीं, वर्ष 2023 में भूत ने याचिका का विरोध करने के लिए हाईकोर्ट में दाखिल किए गए वकालतनामे पर हस्ताक्षर भी कर दिए? कोर्ट ने आरोपी पुरुषोत्तम सिंह और उनके परिजनों के खिलाफ दाखिल आरोप पत्र को रद्द करते हुए एसपी कुशीनगर को मामले की जांच का आदेश दिया। कहा, वह पता करें कि कैसे एक भूत बेगुनाहों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाकर परेशान कर रहा है। इस बात पर भी गौर करें कि विवेचक भूत का बयान कैसे दर्ज कर चुके हैं।

बार अध्यक्ष को लिखा...वकील को करें सतर्क : कोर्ट ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष को इस आदेश की प्रति भेजते हुए मृत शब्द प्रकाश के नाम से वकालतनामा दाखिल करने वाले अधिवक्ता विमल कुमार पांडेय को भी भविष्य में सतर्क रहने की सलाह देने को कहा है। इस जानकारी से हैरान कोर्ट ने सवाल किया अगर शब्द प्रकाश की मौत 2011 में हो गई थी तो 2014 में क्या भूत ने एफआईआर दर्ज करवाई है? क्या विवेचक ने भूत का बयान दर्ज करके आरोप पत्र दाखिल किया है? यही नहीं, वर्ष 2023 में भूत ने याचिका का विरोध करने के लिए हाईकोर्ट में दाखिल किए गए वकालतनामे पर हस्ताक्षर भी कर दिए? कोर्ट ने आरोपी पुरुषोत्तम सिंह और उनके परिजनों के खिलाफ दाखिल आरोप पत्र को रद्द करते हुए एसपी कुशीनगर को मामले की जांच का आदेश दिया। कहा, वह पता करें कि कैसे एक भूत बेगुनाहों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाकर परेशान कर रहा है। इस बात पर भी गौर करें कि विवेचक भूत का बयान कैसे दर्ज कर चुके हैं।

बार अध्यक्ष को लिखा...वकील को करें सतर्क : कोर्ट ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष को इस आदेश की प्रति भेजते हुए मृत शब्द प्रकाश के नाम से वकालतनामा दाखिल करने वाले अधिवक्ता विमल कुमार पांडेय को भी भविष्य में सतर्क रहने की सलाह देने को कहा है।

## इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आईआईटी रुड़की को दी राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आईआईटी रुड़की को बड़ी राहत दी है। उसके खिलाफ नगर निगम सहारनपुर द्वारा 47 करोड़ से अधिक के बकाया सर्विस चार्ज की वसूली पर रोक लगा दी है। साथ ही राज्य सरकार सहित विपक्षियों से दो हफ्ते में याचिका पर जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति अंजनी कुमार मिश्र तथा न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी की खंडपीठ ने आई आई टी रुड़की की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याची का कहना है कि शिक्षण संस्थानों को नगर पालिका टैक्स से छूट दी गई है। इसलिए इनसे नगर निकाय टैक्स वसूली नहीं कर सकते। संस्थान पर 47 करोड़ 6 लाख 67 हजार 775 रुपए वसूली की नोटिस दी गई थी। जिसमें से 3 करोड़ 26 लाख 43 हजार 795 वर्तमान वर्ष का है। शेष ब्याज सहित बकाया है।

## अध्यापकों के समायोजन-तबादले में पारदर्शी प्रक्रिया कैसे करेंगे

*इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मांगा जवाब, बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देश दिए*

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अध्यापकों के समायोजन, तबादले में पारदर्शी प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। साथ ही पूछा है कि कैसे पारदर्शी प्रक्रिया का पालन होगा। हाईकोर्ट ने सचिव बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज व अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा उप्र से व्यक्तिगत हलफनामे में छात्र अध्यापक अनुपात पर सरप्लस अध्यापकों की पहचान, उनके समायोजन और उन्हें चिन्हित करने का तरीका स्पष्ट करने का निर्देश दिया है। कहा है कि विभिन्न स्कूलों में समायोजन की पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाए। याचिका की अगली सुनवाई की तिथि 8 अगस्त तय करते हुए तब तक तबादला करने पर रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति एसडी सिंह और न्यायमूर्ति डोनादी रमेश की खंडपीठ ने नीरजा और 50 अन्य सहायक अध्यापकों की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है।

छात्र संख्या व अध्यापक के अनुपात को बताया आधारः याचियों का कहना है कि गोविंद कौशिक और 116 अन्य इसी समान केस में हाईकोर्ट ने शिक्षा निदेशक बेसिक से प्राप्त जानकारी के अनुसार याचिका निस्तारित कर दी थी और कार्यवाही छह हफ्ते में पूरी करने का निर्देश दिया था। निदेशक ने बताया था कि निशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियमावली 2011के नियम 10 के अनुसार सत्र 2024-25 जो 11 अप्रैल 24 से शुरू हुआ है, उसमें 30 जून 24 को स्कूलों में छात्र संख्या और अध्यापक के अनुपात को आधार मानकर समायोजन और तबादला किया जाएगा। कोर्ट ने छह हफ्ते में लिस्ट तैयार करने का आदेश देते हुए याचिका निस्तारित कर दी थी और कहा था कि फिर से वाद कारण उत्पन्न हो तो दोबारा कोर्ट आ सकते हैं।

कोर्ट ने कहा जल्दबाजी में कार्रवाईः कोर्ट ने कहा उम्मीद थी कि राज्य प्राधिकारी छात्र अध्यापक अनुपात के अनुसार सरप्लस अध्यापकों का पता कर जिले में वरिष्ठता के अनुसार तैनाती जिले का पुनर्निधारण कर लेंगे। 31 जुलाई 24 को सचिव बेसिक शिक्षा परिषद ने पत्र लिखा , जिसमें सरप्लस के समायोजन का उल्लेख है। यह कार्यवाही लगता है जल्दबाजी में की गई है। कोर्ट कोई आदेश जारी करें इससे पहले सरकारी व बोर्ड के वकीलों ने जानकारी लेने की कोर्ट से मोहलत मांगी।

## इंदौर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

इंदौर । शहर समता विचार मंच इंदौर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी आशा जाकड़ के संयोजन में उमा मिश्रा प्रीति मध्य प्रदेश अध्यक्ष की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।

इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि साधना शुक्ला एवं विशिष्ट अतिथि अनीता दुबे। काव्य गोष्ठी की शुभारंभ अध्यक्षता कर रही उमा मिश्राष प्रीतिष्द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती देवी की प्रभा तिवारी सुंदर वंदना द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन प्रभा तिवारी ने किया।इस काव्य गोष्ठी में डा.अंजुल कंसल,संतोष तोषनीवाल,डॉ शशिकला अवस्थी,नीति अग्निहोत्री ,डॉ शशि निगम, श्रुति चौधरी,लताघ सेनघ, गायत्री शर्मा,,शोभा रानी तिवारी, ऊषा यादव ,सीता सेन, प्रभा तिवारी, हेमा जैन,सुषमा शुक्ला ,डॉ.शशिकला अवस्थी, सुनीता संतोषी, आशा कुशवाहा, आदि की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें , धन्यवाद ज्ञापन अंजुल कंसल ने किया।

## दिव्यांग पेंशन के लाभार्थी 15 सितम्बर तक अपने खाते में आधार लिंक व एनपीसीआई करायें

प्रतापगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी मनीष कुमार मिश्रा ने समस्त दिव्यांगजन को अवगत कराना है कि वित्तीय वर्ष 2024—25 में दिव्यांग भरण पोषण अनुदान (दिव्यांग पेंशन) की प्रथम त्रिमासिक की धनराशि लाभार्थियो के खाते में प्रेषित की जा चुकी है। शासन व निदेशालय दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग उ०प्र० लखनऊ के निर्देशानुसार अवगत कराना है कि दिव्यांग पेंशन की द्वितीय त्रिमासिक की धनराशि आधार बेस्ड पेमेन्ट के माध्यम से खाते में प्रेषित की जायेगी आधार बेस्ड पेमेन्ट से तात्पर्य" जिस खाते में आधार लिंक होगा उसी खाते में दिव्यांग पेंशन प्राप्त होगी"। दिव्यांग पेंशन की द्वितीय त्रैमासिक किस्त जाने से पूर्व यानि दिनांक 15 सितम्बर 2024 तक अपनी बैंक शाखा में जाकर अपने खाते में आधार लिंक व एन०पी०सी०आई० कराना सुनिश्चित करे। साथ में ही यह भी अवगत कराना है कि जिन दिव्यांगजनो के परिवार का राशन कार्ड बना है, ऐसे दिव्यांगजन राशन कार्ड, बैंक पासबुक, आधार कार्ड व दिव्यांग प्रमाण पत्र के साथ जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रतापगढ़ के कक्ष संख्या 25 में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

## सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना हेतु महिला लाभार्थी 19 अगस्त तक करें आवेदन

प्रतापगढ़। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण विकास कुमार दीपांकर ने बताया है कि वर्ष 2024—25 में सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना नामक नवीन योजना प्रारम्भ कर दी गयी है। उन्होने बताया है कि सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना हेतु महिला लाभार्थियों द्वारा ऑनलाईन आवेदन विभागीय पोर्टल पर दिनांक 19 अगस्त 2024 तक किया जा सकता है। उन्होने बताया है कि योजना के अन्तर्गत मत्स्य बीज हैचरी संचालित करने वाले हैचरी स्वामी, निजी क्षेत्र एवं पटटे पर आवंटित ऐसे महिला जिनके तालाब की पटटा अवधि कम से कम 5 वर्ष अवशेष हो पात्र होगें। परियोजनान्तर्गत 0.50 हे0 के तालाब में 2 हार्सपावर के एक कवाड पैन्डिल व्हील एरियेटर एवं 1.00 हे० या उससे बडे तालाब हेतु अधिकतम दो एरियेटर प्रति महिला मत्स्य पालक जिनके तालाब की वर्तमान मत्स्य उत्पादकता कम से कम 4—5 टन प्रति हे० हो की उत्पादकता में वृद्धि हेतु अनुदान दिया जायेगा। योजना पूर्णतः महिला मत्स्य पालकों के लिए संचालित की गई है। योजना में तालाबों के ऐसे सभी पट्टाधारक आवेदन कर सकते है, जिनके पट्टे की अवधि न्यूनतम 5 वर्ष अवशेष है। योजना हेतु आवेदक को ईकाई लागत रूपये 0.75 लाख प्रति यूनिट पर सामान्य, अन्य पिछडा वर्ग की महिलाओं हेतु 50 प्रतिशत अनुदान तथा अनुसूचित जाति के महिलाओं हेतु 60 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा। योजनान्तर्गत विवरण ईकाई लागत आवेदन करने की प्रकिया, आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले अभिलेखों का विस्तृत विवरण विभागीय पोर्टल पर देखा जा सकता है। आनलाइन आवेदन विभागीय पोर्टल पीमतपमे.नच.हवअ.पद पर किया जा सकता है। इसके अतिरिक्ति मत्स्य विभाग के मण्डलीय व जनपदीय कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

## काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव की पूर्व संध्या पर रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

प्रतापगढ़। काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव की पूर्व संध्या पर आज दिनांक 08.08.2024 को नगर पालिका परिषद बेला प्रतापगढ़ में डा० सोनेलाल पटेल स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, प्रतापगढ़ के द्वारा रक्तदान का कैम्प लगाकर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। डा० संतोष कुमार सिंह द्वारा सर्वप्रथम रक्तदान करके रक्तदान कैम्प को प्रारम्भ किया गया। उक्त रक्तदान में कुल 10 लोगो द्वारा अपनी स्वेच्छा से रक्तदान किया जिनमें अभिनाश, चन्दन, रमेश, साहबलाल, अजीत, विनोद, अरविन्द, लालबहादुर लोगो ने रक्तदान किया। रक्तदान करने के उपरान्त रक्तकेन्द्र के डा० पवन कुमार गुप्ता मेडिकल ऑफिसर के द्वारा रक्तदान करने वाले लोगो को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसका आयोजन नगर पालिका परिषद बेला प्रतापगढ़ द्वारा किया गया था। शिविर में रक्तकेन्द्र के डा० पवन गुप्ता, एल०टी० पी०एन० भट्ट, पवन मिश्रा, शिवम मिश्रा, काउन्सलर कुसुमलता गुप्ता, वार्ड ब्वाय महेन्द्र, आशीष, आदि मौजूद रहे।

## बिहार बाजार की सड़कें बनी नहर, जिम्मेदारों के प्रति लोगों में आक्रोश

प्रतापगढ़, बाघराय कुण्डा। बिहार ब्लाक का स्थानीय बाजार बारिस के मौसम में बद से बदतर है। चारों तरफ नालियां बजबजा रही हैं। सड़कें नहरों में तब्दील हैं। बाजार निवासी व आने जाने वाले लोग जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के प्रति अपशब्दों से खीझ निकाल रहे हैं। बिहार बाजार के कालेज रोड में साल के बारहों महीने पानी भरा रहता है। इस बारे में लोगों ने जनप्रतिनिधियो व अधिकारियों से कई बार बाजार व सड़कों की दशा सुधारने की शिकायत की। जिम्मेदारों ने शिकायत पर कोई कार्यवाही नहीं की। परेशानी बढ़ने पर लोग जिम्मेदारों के प्रति अपशब्दों का प्रयोग कर रहे हैं।

# सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज ने सफलतापूर्वक आयोजित की दर्शनशास्त्र प्रश्नोत्तरी

प्रयागराज,। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एक प्रतिष्ठित घटक कॉलेज, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज ने आज एक बौद्धिक रूप से प्रेरक दर्शनशास्त्र प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया। यह आयोजन बीए एलएलबी (ऑनर्स) ब्लॉक में हुआ, जिसमें छात्रों ने अत्यधिक उत्साह के साथ भाग लिया द्य

प्रश्नोत्तरी में दर्शनशास्त्र के सामान्य सिद्धांतों और मुख्य धारणाओं को कवर करने वाले कई प्रश्न शामिल थे। प्रतिभागियों को जटिल दार्शनिक अवधारणाओं और सिद्धांतों में संलग्न होने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे उनके आलोचनात्मक विचार और विश्लेषणात्मक कौशल को बढ़ावा मिला।

छात्रों ने दार्शनिक विचारों की गहरी समझ और उल्लेखनीय उत्साह प्रदर्शित किया, जिसने बौद्धिक आदान—प्रदान के जीवंत वातावरण में योगदान दिया। प्रश्नोत्तरी की सफलतापूर्वक पूर्णता ने सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज की समृद्ध शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देने और दार्शनिक विचारों की खोज और चर्चा को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

यह पहल कॉलेज की शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और छात्रों के बीच पूछताछ और चिंतन की संस्कृति को पोषित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

प्रतियोगिता का आयोजन डॉ□ बबिता श्रीवास्तव के कुशल निर्देश में कराया गया द्य इस आयोजन में ठ। स्स्ठ की समन्वयक श्रीमती रेनू सिंह एवं सभी शिक्षकों का पूर्ण सहयोग रहा।

# कजरी महोत्सव में महिलाओं ने नृत्य व कजरी गायन प्रस्तुत कर मचाया धमाल

### अवन्तिका विकास समिति द्वारा हरियाली तीज पर आयोजित कार्यक्रम सम्पन्न

नैनी, प्रयागराज। अवंतिका विकास समिति के तत्वावधान में स्थानीय चंद्रलोक गेस्ट हाउस में अवंतिका महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें लोकगायकों ने कजरी गायन से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर कजरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती लवली सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में लोकगायिका मोहिनी श्रीवास्तव, डॉ नम्रता राय, फिरदौस खान तथा सुनीता जायसवाल मौजूद रहे। संचालन कार्यक्रम की आयोजिका व अवंतिका विकास समिति महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा मीना जायसवाल ने किया। महोत्सव में अवंतिका विकास समिति के संरक्षक पूर्व आईजी सी पी सिंह, संयोजक गजेंद्र प्रताप सिंह, सह संयोजक बद्री प्रसाद मिश्र, उपाध्यक्ष जगदम्बा प्रसाद शुक्ल, महासचिव सुनील श्रीवास्तव मंत्री सुनील साहनी, गंगा प्रसाद ठाकुर, बीबी दुबे, गोविन्द सिंह चौहान, सुधाकर पाण्डेय, राकेश श्रीवास्तव, सहित महिला प्रकोष्ठ की पदाधिकारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य व विशिष्ट अतिथियों द्वारा भगवान भोलेनाथ के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से हुआ। लोकगायिका मोहिनी श्रीवास्तव के पिया मेंहदी लिया द मोती झील से जाइ के साइकील से ना सहित अन्य कजरी गायन पर श्रोता झूम उठे। मीना जायसवाल सहित गायकों की प्रस्तुति भी सराहनीय रही। कार्यक्रम में क्षेत्र की महिलाओं ने कजरी गीत पर जमकर नृत्य किया। गायन प्रतियोगिता में रेखा बाजपेयी, मंजुला जायसवाल तथा सविता सिंह ने निर्णायक की भूमिका में मौजूद रही। आयोजक मण्डल में बिंदु राठौर, अंजुम नाज, सुषमा विश्वकर्मा, आरती पाण्डेय, चंद्रावती तिवारी, आशा सिंह पुष्पा सिंह, वैभवी जोशी, सुधा, पूनम तिवारी, शेफाली केसरवानी आदि की भूमिका सराहनीय रही।

# ऑल इंडिया वूमेन एस कॉन्फ्रेंस की जोनल मीटिंग संपन्न

प्रयागराज । ऑल इंडिया वूमेनशएस कॉन्फ्रेंस की जोनल मीटिंग आज एक स्थानीय होटल में संपन्न हुई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रोफेसर नीलम सरन गॉड़ जिन्हें हाल में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया,आई.डब्लू.सी मुख्यालय दिल्ली की अध्यक्ष कामिनी राज, सचिव डॉ मंजू काक,सुबोधनी सिटी ब्रांच इलाहाबाद की संरक्षक जमनोत्री गुप्ता,स्टैन्डिंग कमेटी मेंबर डॉ शान्ति चौधरी,अध्यक्ष रचना अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कामिनी राज ने सबका स्वागत करते हुए कहा कि ए.आई.डब्लू.सी. एक मात्र संस्था है जो सेवा भावना से पूरे समर्पण के साथ महिलाओं एवं लड़कियों के उत्थान के लिए संकल्पबद्ध है।महासचिव डॉ मंजू काक ने कहा कि हर महिला को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का अधिकार मिलना चाहिए।मुख्य अतिथि प्रोफेसर नीलम सरन गॉड़ ने हमारी एतिहासिक महिलाओं के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि आज हमारी महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी हैं।अपनी दोहरी जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभा रही हैं। अतिथियों ने सुबोधिनी पत्रिका एवं श्वेता प्रकाशन द्वारा प्रकाशित डॉ शान्ति चौधरी द्वारा लिखित पुस्तक महिला स्वास्थ्य का लोकार्पण किया। उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड की शाखाओं से आयी अध्यक्षों ने अपनी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।नयी योजनाओं पर चर्चा हुई। संस्था के शताब्दी वर्ष 2027 तक 8 हजार एनीमिया से पीड़ित युवतियों को स्वस्थ व नीरोग बनाने का संकल्प लिया।अनन्त में सचिव ज्योति ने धन्यवाद ज्ञापित किया और संचालन किरन चावला ने किया। साधना अग्रवाल, डॉ गीता कौरा, कुसुम बंसल, सुभाष राठी,सरला अवस्थी,प्रिया नारायण, सुरैया इकबाल, गीता चतुर्वेदी समेत तमाम महिलाएं उपस्थित रहीं।

# एडीएम ने भारी वर्षा/अतिवृष्टि/वज्रपात/आकाशीय बिजली से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की

### सावधानी और तैयारी से ही वज्रपात के खतरे को कम या उसके प्रभाव से बचा जा सकता है-एडीएम

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0रा0)ध्मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया है कि मौसम विभाग (आई0एम0डी0) लखनऊ ने प्रदेश के कतिपय जिलो में आगामी कुछ दिवसों में वर्षाध्अतिवृष्टिध्वज्रपातध्आकाशीय बिजली की सम्भावना व्यक्त किया है, इन चिन्हित जिलों में जनपद प्रतापगढ़ भी कुछ दिनों के लिये ओरेन्जध्कुछ दिनों के लिये येलो जोन में है जैसा कि वर्तमान में जनपद में वर्षा के साथ वज्रपात (लाइटनिंग) हो रही है। उन्होने भारी वर्षाध्अतिवृष्टिध्वज्रपातध्आकाशीय बिजली से बचाव हेतु ''क्या करें क्या न करें'' के सम्बन्ध में एडवाइजरी जारी करते हुये बताया है कि आंधी—तूफान और भारी वर्षा के दौरान ऊँची इमारतों, पेड़ो, मनुष्यों, जानवरों आदि पर बिजली गिरने की घटनायें होती रहती है जिससे जान माल का नुकसान होता है। सावधानी और तैयारी ही एकमात्र तरीका है जिसके द्वारा वज्रपात के खतरे को कम किया जा सकता है या उसके प्रभाव से बचा जा सकता है। उन्होने एडवाइजरी जारी करते हुये बताया है कि यदि आप खुले में हो तो शीघ्रातिशीघ्र किसी पक्के मकान में शरण लें। सफर के दौरान अपने वाहन में ही बने रहे। खिड़कियों, दरवाजे, बरामदे एवं छत से दूर रहे। ऐसी वस्तुयें जो बिजली की सुचालक है उनसे दूर रहे। बिजली के उपकरणों या तार के साथ सम्पर्क से बचे व बिजली के उपकरणों को बिजली के सम्पर्क से हटा दें। तालाब और जलाशयों से भी दूरी बनाये रखें। समूह में न खड़े हो, बल्कि अलग—अलग खड़े रहे। यदि आप जंगल में हो तो बोने एवं घने पेड़ों के शरण में चले जाये। बाहर रहने पर धातु से बनी वस्तुओं का उपयोग न करें। बाइक, बिजली या टेलीफोन का खम्भा, तार की बाड़, मशीन आदि से दूर रहे। धातु से बने कृषि यंत्र डंडा आदि से अपने को दूर कर दें। आसमानी बिजली के झटके से घायल होने पर पीड़ित व्यक्ति को तत्काल नजदीकी प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र ले जाने की व्यवस्था की जानी चाहिये। स्थानीय रेडियो अन्य संचार साधनों से मौसम की जानकारी प्राप्त करते रहे। उन्होने बताया है कि यदि आप खेत खलिहान में काम कर रहे हो और किसी सुरक्षित स्थान की शरण न ले पाये हो तो जहां है हो सके तो पैरों के नीचे सूखी चीजें से जैसे—लकड़ी, प्लास्टिक, बोरा या सूखे पत्ते रख लें, दोनो पैरों को आपस में सटा लें एवं दोनो हाथों से कानों को बंद कर अपने सिर को जमीन की तरफ यथा सम्भव शरीर को झुका लें तथा सिर को जमीन से न सटाये। जमीन पर कदापि न लेटे, ऊंचे इमारत वाले क्षेत्रों में शरण नही लें, साथ ही बिजली एवं टेलीफोन के खम्भों के नीचे कदापि शरण नहीं ले, क्योंकि ऊँचे वृक्ष, ऊंची इमारते एवं टेलीफोनधबिजली के खम्भे आसमानी बिजली को अपनी ओर आकर्षित करते है। पैदल जा रहे हो तो धातु की डंडी वाले छातों का उपयोग न करें, यदि घर में हो तो पानी का नल, फ्रिज, टेलीफोन आदि को न छुये। वज्रपात के मामले में मृत्यु का तत्कालिक कारण हृदयाघात है। अगर जरूरी हो तो संजीवन क्रिया, प्राथमिक चिकित्सा प्रारम्भ कर दें। संजीवन क्रिया, प्राथमिक चिकित्सा देने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि प्रभावित व्यक्ति के शरीर से विद्युत का प्रभाव न हो रहा हो। यह सुनिश्चित कर लें कि पीड़ित की नाड़ी एवं श्वास चल रही हो। उन्होने बताया है कि वज्रपात के बाद घर के अंदर तब तक रहें जब तक कि आसमान साफ न हो जाये। स्थानीय प्रशासन को क्षति और मृत्यु की जानकारी दें। अगर कोई व्यक्ति वज्रपात की चपेट में आ गया है तो तुरन्त 112 पर कॉल करें और यथाशीघ्र पीड़ित को अस्पताल ले जाये।

## तुलसीसदन में 09 अगस्त को ''काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव'' का होगा आयोजन

प्रतापगढ़। परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरणध नोडल अधिकारी दयाराम यादव ने बताया है कि काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगाठ के अवसर पर ''काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव'' का आयोजन दिनांक 09 अगस्त 2024 को पूर्वान्ह 9.30 बजे से तुलसीसदन (हादीहाल) सभागार में किया जायेगा। काकोरी शहीद स्मारक लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण तुलसीसदन सभागार में किया जायेगा। तुलसीसदन में आयोजित काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव कार्यक्रम में माननीय मंत्री, विधायकगण, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण, भूतपूर्व सैनिकध्शहीद के परिवारीजन, जनपद के सम्भ्रान्त नागरिक आदि सम्मिलित होगें।

## संक्षिप्त

## भयहरणनाथ धाम में घुघुरी लोक उत्सव आज

*अगस्त क्रान्ति दिवस पर " भ्रष्टाचार भारत छोडो अभियान " की होगी शुरूवात*

प्रतापगढ़। साहित्य भूषण जन कवि प्रकाश प्रकाश को निराला सम्मान, प्रख्यात लोक कवि अशोक बेशरम को अवधी समग्र सम्मान तथा सुप्रसिद्ध हास्य कवि ठाकुर इलाहाबादी को साहित्य साधक सम्मान

मिलेगा जनपद में आयुर्वेद व योग के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान हेतु डा0 भरत नायक को महर्षि घन्वन्तरि आयुष सम्मान व स्थानीय क्षेत्र में उत्कृष्ठ योगदान हेतु राजकीय चिकित्सक डा0 अवनीश भूषण को महर्षि चरक सम्मान से विभूषित किया जायेगा।

6 महिलाओं को गुडिया सम्मान व 8 व्यक्तित्वों को राजा बाबू गुलाब सिंह समाज रत्न सम्मान दिया जायेगा।

प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में 9 अगस्त नागपंचमी के अवसर पर घुघुरी लोक उत्सव से अगस्त क्रान्ति के अवसर पर भ्रष्टाचार भारत छोडो अभियान की शुरूवात सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर के संयोजन होगी। प्रसिद्ध जनकवि जय प्रकाश शर्मा को सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला सम्मान तथा अवधी के सुप्रसिद्ध मंच संचालक अशोक बेशरम को अवधी समग्र सम्मान दिया जायेगा। वहीं लोककवि श्री ठाकुर इलाहाबादी को साहित्य साधक सम्मान से अलंकृत किया जायेगा। वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डा0 भरत नायक को योग व आयुर्वेद के क्षेत्र में योगदान हेतु महर्षि धन्वन्तरि सम्मान से विभूषित किया जायेगा। प्रभारी चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय छितपालगढ को अच्छके प्रयास हेतु महर्षि चरक आयुष सम्मान से सम्मानित किया जायेगा।

वहीं 9 अगस्त नागपंचमी के अवसर पर दोपहर 12 बजे से ब्रम्हदेव समाज मानधाता द्वारा आयोजित प्रकृति महायज्ञ से घुघुरी लोक उत्सव की शुरूवात होगी। भोले बाबा को घुघुरी प्रसाद अर्पित करने के बाद तेज दौड प्रतियोगिता होगी जिसकी जिम्मेदारी कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह संरक्षक अभय सिंह व विवेक सिंह को दी गई है। गुडडा गुडिया व फुलझडी प्रतियोगिता होगी जिसकी जिम्मेदारी अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल ने ली है। उत्कृष्ट योगदान हेतु 6 महिलाओं को गुडिया सम्मान तथा 8 विशिष्ट नागरिकों को राजा बाबू गुलाब रत्न से अलंकृत किया जायेगा।

लोक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकार अजब नारायण पाण्डेय तथा सचिन पाण्डेय व साथी कलाकारों द्वारा बेहतरीन प्रस्तुतियां दी जायेगी। नामी लोकगायिका प्रतिमा मिश्रा द्वारा समीचीन विविध गीतों का गायन होगा। तदोपरान्त विराट कवि सम्मेलन होगा जिसकी अध्यक्षता सरकार द्वारा साहित्य भूषण सम्मान से विभूषित जनकवि प्रकाश जी करेगें। आमत्रित कवियों में ठाकुर इलाहाबादी, अशोक बेशरम, शिवम भगवती, प्रशान्त भरूहिया, राधा शुक्ला, संतोष शुक्ल समर्थ, तथा राज कुमार यादव, अशोक अग्रहरि, आलोक बैरागी, राज कुमार विश्वकर्मा, अमर नाथ बेजोड स्नेहलता यादव तथा संदीप शुक्ल आदि अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियां देगें।

लोक भारती, वन विभाग व नमामि गंगे द्वारा हरिशंकरी पौध का रोपण करके पौध रोपण अभियान का शुभारम्भ किया जायेगा स्थानीय सहयोग हेतु नगर पंचायत व कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं प्रसाद रूप में घुघुरी का वितरण होगा।

कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में धाम के पदेन संरक्षक स्थानीय विधायक जीत लाल पटेल शामिल होगें। नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव को स्वागताध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। कार्यक्रम का संयोजन महासचिव समाज शेखर करेगें तथा सामान्य अनुशासन हेतु थानाध्यक्ष जेठवारा धमेन्द्र सिंह तथा स्थानीय थाना प्रभारी गणेश पटेल को जिम्मेदारी मिली है।

## अंतिम संस्कार न करने पर अड़े परिजन, शव रखकर लगाया जाम

*अवैध खनन से बने गडढे में डूबने से दो भाईयों की हुई थी मौत*

प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली के पूरे वीरबल बेनी का पुरवा में बुधवार को पानी भरे गडढे में डूबने से दो सगे भाईयों की मौत हो गयी थी। घटना को लेकर गुरूवार को परिवार के लोगों व ग्रामीणों ने शव दफन करने से इंकार कर दिया। अवैध खनन से बने गडढे को पाटने और बाउण्ड्रीवाल कराने की मांग को लेकर आक्रोशित लोगों ने शव को सडक पर रखकर जाम लगा दिया। पुलिस के खासी मानमनौवल के बाद लोग किसी तरह माने। तब जाकर एक ही कब्र में दोनों भाईयों का शव दफन किया गया। लालगंज कोतवाली के पूरे वीरबल बेनी का पुरवा में बुधवार को दोपहर गांव निवासी देवराज यादव के पुत्र अमन 15 व अनुज 08 गांव स्थित चारागाह के पास भैंस चराने गये थे। इसी दौरान शौच के लिए जाने पर अनुज का पैर फिसल गया और वह गहरे गडढे में भरे पानी में डूब गया। उसे बचाने में बड़ा भाई अमन भी डूब गया। जानकारी पर लोगों ने दोनों को बाहर निकाला लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। पोस्टमार्टम के बाद रात में शव घर लाया गया। गम और गुस्से के बीच परिवार के लोग व ग्रामीण चारागाह के पास अवैध खनन करके निकाली गयी मिटटी से बने गहरे गडढे को लेकर आक्रोश जताने लगे। लोगों ने कहा कि यदि अवैध खनन न हुआ होता तो दो बच्चों की मौत न होती। आक्रोशित लोग गडढो को पाटने और चारागाह की जमीन पर बाउण्ड्री बनाने की मांग करने लगे। आक्रोशित लोगों ने शव को जलेशरगंज डेरवा मार्ग पर रखकर जाम लगा दिया। पुलिस के बहुत समझाने पर और कार्रवाई का आश्वासन देने पर लोग किसी तरह माने। उसके बाद दोपहर करीब साढ़े बारह बजे एक ही कब्र में दोनों भाईयों का शव दफन हुआ। वहीं घटना को लेकर परिवार में कोहराम मचा है। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

## बांग्लादेश में हुई हिंसा पर अधिवक्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित सडीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रतापगढ़, लालगंज। बांग्लादेश में लगातार हो रही हिंसा को लेकर गुरूवार को अधिवक्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित सडीएम को ज्ञापन सौंपा। हिंसा में हिंदुओं की हत्या, हिन्दू मंदिरों को जलाए जाने के साथ हिन्दू देवी—देवताओं की मूर्तियों को खण्डित करने को लेकर वकील आक्रोशित रहे। अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी भी की। संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संदीप सिंह तथा पूर्व अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश की अगुवाई में अधिवक्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित एसडीएम शैलेन्द्र कुमार वर्मा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अधिवक्ताओं ने बांग्लादेश में हिन्दुओं की सुरक्षा और मन्दिरों पर हो रहे हमलों को रोकने के लिए भारत सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। पूर्व अध्यक्ष अनिल महेश ने कहा कि बांग्लादेश में खुलेआम हिन्दू समुदाय पर हो रहा हमला और मन्दिरों मे आगजनी की घटनाओं से समूचे देश में आक्रोश और गुस्सा है।

## सम्पादकीय.......

# ब्रिटेन में उग्र दक्षिणपंथ

ब्रिटेन में दक्षिणपंथी हिंसा की लहर के बीच आप्रवासियों व मुस्लिमों को निशाना बनाया जाना बेहद चिंता का विषय है। सोशल मीडिया के जरिये भ्रामक प्रचार से समूह विशेष पर हमले ब्रिटिश समाज में विकट होती स्थिति को दर्शाता है। दरअसल, गत 29 जुलाई को साउथपोर्ट में टेलर स्विफ्ट की थीम डांस पार्टी में तीन बच्चियों की नृशंस हत्या के बाद ब्रिटेन के कई शहरों में दंगे भड़क उठे। इस घटना में दो वयस्कों के साथ कई अन्य बच्चे भी घायल हुए थे। इसके बाद पूरे ब्रिटेन में दक्षिणपंथी आंदोलनकारियों ने इस घटना का इस्तेमाल नफरत को बढ़ावा देने और अराजकता भड़काने में किया। कालांतर में हिंसा महज विरोध प्रदर्शनों तक ही सीमित नहीं रही। दुकानें लूट ली गईं, कारों को आग लगा दी गईं, मस्जिदों और एशियाई स्वामित्व वाले व्यवसायों को निशाना बनाया गया। यह चिंताजनक स्थिति ब्रिटिश समाज में पैर पसारती मानसिक रुग्णता को ही दर्शाती है। दरअसल, ब्रिटिश समाज में आप्रवासियों के प्रति धुर दक्षिणपंथियों की कटुता छिटपुट घटनाओं की प्रतिक्रिया के रूप में ही नजर नहीं आती, बल्कि ये घटनाक्रम ब्रिटिश समाज में व्यापक सामाजिक चिंताओं और राजनीतिक विफलताओं का भी परिचायक है। दरअसल, कई दक्षिणपंथी राजनेताओं ने आप्रवासन और सांस्कृतिक एकीकरण के बारे में गलत धारणाओं को बढ़ावा दिया। उन्होंने अपने विभाजनकारी एजेंडे के लिये समर्थन जुटाने के लिये खतरनाक ढंग से गलत सूचनाएं फैलायीं। कहा गया कि हमलावर एक आप्रवासी मुस्लिम था। हालांकि प्रधानमंत्री स्टार्मर ने दंगों को सुनियोजित साजिश बताते हुए घटनाओं की निंदा की है, लेकिन अभी ब्रिटिश समाज में सामाजिक समरसता बनाये रखने के लिए बहुत कुछ किया जाना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर एक सप्ताह में हिंसक गतिविधियों में शामिल करीब चार सौ से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। दंगइयों के हौसले इतने बुलंद थे कि वे पुलिस से संघर्ष करते नजर आ रहे थे। साथ ही सार्वजनिक संपत्ति और आप्रवासियों की संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे थे। दरअसल, हाल के दिनों में देखने में आया है कि कई देशों में हिंसक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये ऑनलाइन सूचनाओं को गलत ढंग से प्रसारित व प्रचारित किया गया। वास्तव में भ्रामक सूचनाओं के तंत्र पर अंकुश लगाने के लिये ठोस प्रयास किये जाने की जरूरत है। देखने में आया है कि सुनियोजित ढंग से प्रचारित सूचनाएं लोगों को कट्टरपंथी बनाने और हिंसा को भड़काने के लिये प्रयोग की जाती हैं। सोशल मीडिया को एक हथियार की तरह से इस्तेमाल किया जा रहा है। दरअसल, ब्रिटिश सरकार को अंतर्निहित उन सामाजिक व आर्थिक मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है जिसके जरिये दक्षिणपंथी स्थानीय लोगों का भावनात्मक दोहन करते हैं। मसलन बेरोजगारी और अपर्याप्त सामाजिक सेवाओं की समस्या को दूर करना चाहिए, जिसके बहाने आप्रवासियों के प्रति नफरत फैलाने का काम किया जाता है। निश्चित रूप से ऐसे भय के माहौल में सहिष्णुता और एकता के मूल्यों को बनाये रखने की सख्त जरूरत है। भविष्य में प्रवासियों के खिलाफ ऐसी हिंसा दोबारा न पनपे ब्रिटिश सरकार को अपने सभी नागरिकों की सुरक्षा और समावेशन को सुनिश्चित करना चाहिए। अब चाहे वे किसी भी देश से आए हों। मीडिया और राजनीतिक नेताओं से जिम्मेदार व्यवहार की उम्मीद की जानी चाहिए। उन्हें नफरत फैलाने वाली भड़काऊ बयानबाजी से बचना चाहिए। ब्रिटेन में डेढ़ दशक बाद व्यापक रूप से पनपे दंगों की पुनरावृत्ति रोकने के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। दरअसल, इस दौरान दक्षिणपंथियों के हौसले इतने बुलंद थे कि उन्होंने पुलिस को भी निशाना बनाने से परहेज नहीं किया। इस घटनाक्रम के चलते प्रदर्शनकारी तथा आप्रवासियों के समर्थक कई बार आमने–सामने नजर आए। एक पक्ष कह रहा था कि ब्रिटेन को बाहरी लोगों से मुक्त कराया जाए तो दूसरी तरफ आप्रवासियों का समर्थन करने वाले नारे लगा रहे थे कि यहां शरणार्थियों का स्वागत है। बहरहाल, हाल की हिंसक घटनाओं ने नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री स्टार्मर की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालांकि, उन्होंने प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने के आदेश भी दिए हैं। बकायदा इस संकट को लेकर सोमवार को प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर सुरक्षा अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक भी बुलाई गई। निश्चित रूप से दक्षिणपंथियों की हिंसा से सख्ती से निपटने की जरूरत है।

# दुश्मनी हसीना से है, हमसे नहीं

**अरविन्द मोहन**

*मालदीव में एकदम भारत विरोधी शासन को बहुत जल्दी अपने रुख में 180 डिग्री का बदलाव करना पड़ा पर वह बहुत छोटा देश है और भारत पर उसकी निर्भरता कहीं अधिक है।*

बांग्लादेश में तख्तापलट के साथ ही भारत के पड़ोसी देशों में हमारा एकमात्र सच्चा मित्र शासन भी खत्म हो गया है। नया शासन अनिवार्यतः हमारा बैरी हो यह जरूरी नहीं है लेकिन राजनैतिक अस्थिरता, फौजी दखल और कई स्पष्ट भारत विरोधी राजनैतिक ताकतों के बीच किस किस्म का संतुलन बांग्लादेश में बनाता है और वह भारत से किस तरह का संबंध रखता है यह आने वाले वक्त में तय होगा। यह हमारी कूटनीति की परीक्षा भी है। मालदीव में एकदम भारत विरोधी शासन को बहुत जल्दी अपने रुख में 180 डिग्री का बदलाव करना पड़ा पर वह बहुत छोटा देश है और भारत पर उसकी निर्भरता कहीं अधिक है। नेपाल में भी ओली सरकार को नहीं पर खुद प्रधानमंत्री ओली और उनकी पार्टी का रुख चीन समर्थक है। पाकिस्तान की बात ही क्या है। श्रीलंका की सरकार भी भारत के बहुत पक्ष की नहीं है। अफगानिस्तान और चीन के अपने किस्से बहुत हैं। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत चारों ओर से जिन देशों से घिरा है वहां की सरकारें भारत समर्थक नहीं हैं और इनसे रिश्ता रखते हुए भारत को फूंक–फूंक कर कदम बढ़ाने होंगे। बांग्लादेश की सत्ता छोड़ने और देश छोड़ने को मजबूर हुईं शेख हसीना के साथ ऐसा नहीं था। उनके पंद्रह साल लंबे शासन में भारत बांग्लादेश की तरफ से काफी निश्चिंत रहा है। भारत के काफी उद्यमियों ने बांग्लादेश के सस्ते श्रम के लोभ में अपने उत्पादन का केंद्र वहां भी बना रखा था। चीन भी बांग्लादेश के समुद्री लोकेशन और सस्ते श्रम को लेकर उसके आसपास मंडराता रहा है। और जब एकतरफा बांग्लादेश चुनाव में शेख हसीना की पार्टी को 300 में से 288 सीटों पर विजेता घोषित किया गया था तब उनकी सरकार को विश्वसनीयता का संकट था। उस समय भी चीन ने आगे बढ़कर उनका समर्थन किया था और उनकी सांस लौटी थी। लेकिन इसके बावजूद हसीना ने चीन के दबाव में तीस्ता को लेकर ऐसा समझौता नहीं किया जो भारत के हितों के खिलाफ होता। हसीना के शासन में पंद्रह साल में बांग्लादेश ने अच्छी आर्थिक तरक्की की थी और आज बांग्लादेश और वियतनाम जैसे मुल्कों पर दुनिया की नजर है। कई पैरामीटर पर बांग्लादेश भारत से बेहतर स्थिति में है। बाहर से काफी पूंजी बांग्लादेश में लगी है और हमारे हजारों बच्चों समेत इस पूरे क्षेत्र के बच्चे यहां के विश्वविद्यालयों और मेडिकल–इंजीनियरिंग कालेजों में पढ़ाई कर रहे हैं। लेकिन इससे शेख हसीना के शासन के सारे पापों को भुलाया नहीं जा सकता। अभी के आंदोलन में ही चार सौ नौजवान सेना और पुलिस की गोली का शिकार हुए थे। एक रात में ही 75 बच्चों के शव को चुपचाप दफनाया दिया गया था। विपक्ष की नेता खालिदा जिया जेल में बंद थीं तो लघु वित्त के अद्भुत प्रयोग के लिए नोबल पुरस्कार जीतने वाले मोहम्मद यूनुस भी जेल में थे। दूसरी ओर सरकारी बैंकों के भारी–भारी लोन का घोटाला करने वाले सरकार और शासन में प्रमुख बने बैठे थे। पिछला चुनाव भी लोकतंत्र का मजाक था और जिस आरक्षण को लेकर छात्रों, नौजवानों का आंदोलन जिस आरक्षण नीति को लेकर था उसमें सरकार और कोर्ट क्या खेल करते रहे यह समझना मुश्किल है। हसीना ने भी कभी आंदोलनकारियों से नहीं कहा कि वह अदालत के फैसले के खिलाफ अपील करेंगी। और जब आंदोलन उग्र हुआ तो उसे शांतिपूर्ण और बातचीत के माध्यम से निपटाने की जगह पहले अपने छात्र संगठन से हमले कराए गए और फिर कठोर पुलिस के तरीकों से दबाने का प्रयास अंततरू भारी पड़ा। और खुद उस सेना प्रमुख वकारुज्जमां ने तख्ता पलट की है जिसे शेख हसीना ने डेढ़ महीने से भी कम समय पूर्व इस पद पर प्रमोट किया था। ऐसी गलती सत्ता के मद में होने से भी होती है। लेकिन इस प्रकरण में भारत ने उनको अपने यहां आने दिया और सुरक्षित रखा यह बहुत ही उचित व्यवहार है। शेख मुजीबुर्रहमान और बांग्लादेश की आजादी के साथ हमारा क्या रिश्ता रहा है यह बताने की यह जगह नहीं है। लेकिन यह कहने में हर्ज नहीं है कि शेख हसीना के साथ हमारा ज्यादा गहरा नाता है। जब 1975 में सैनिक तख्तापलट में शेख मुजीबुर्रहमान के पूरे परिवार के लोगों को मार डाला गया था तब से भारत से उनका रिश्ता है। और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ही नहीं विपक्षी गांधी परिवार से भी उनके घरेलू रिश्ते हैं। अभी जब वे मोदी जी के शपथ ग्रहण में आई थीं तो सोनिया गांधी से मिलना न भूलीं। पर यह याद रखना जरूरी है कि वे सत्तर पार कर चुकी हैं। और मुल्क में उनकी पार्टी अवामी लीग अभी भले सबसे ताकतवर हों पर वे वापसी कर पाएंगी इसमें संदेह ही रहेगा। अभी वहां राजनैतिक रूप से क्या–क्या होगा इसकी भविष्यवाणी करना उचित न होगा क्योंकि सत्ता का स्वाद चख चुकी फौज बहुत जल्दी से लोकतान्त्रिक प्रक्रिया बहाल करे यह होता नहीं है। दूसरे वहां की राजनीति में जो भी तत्व हसीना विरोधी हैं वे भारत विरोधी भी हैं। खालिदा जिया तो कब से घोषणा कर रही है कि अगर वे सत्ता में आईं तो भारत से हुए सारे समझौतों पर पुनर्विचार करेंगी। लेकिन वे भी हसीना की तरह उम्रदराज हैं और बहुत बीमार हैं। निश्चित रूप से बांग्लादेश में तख्तापलट का भारत पर असर होगा। हमारी सीमा ही चार हजार किलोमीटर से ज्यादा बड़ी है। फौजी और मजहबी रूप से ज्यादा कट्टर सत्ता होने से बांग्लादेश से घुसपैठ और शरणार्थियों का रेला आ सकता है। आंदोलन की सूत्रधार जमाते इस्लामी तो खुलेआम पाकिस्तान समर्थक है और वह बांग्लादेश बनने का विरोधी भी है। इस आंदोलन को भी आई एस आई के समर्थन की बात कही जा रही थी और चीन जरूर कोशिश करेगा कि नई सरकार पर उसका प्रभाव ज्यादा रहे। फौज और जुनूनी मजहबी जमात से संबंध निभाना आसान नहीं होगा। हां, यह याद करना लाभदायक है कि इन सबका विरोध शेख हसीना से था, भारत से नहीं और बांग्लादेश की हाल की खुशहाली उनको भी भायी होगी।

# भारत के लिए संभल कर चलने का वक्त

बांग्लादेश में हुए तख्तापलट के बाद वहां के सियासी हालात और भारतीयों की सुरक्षा समेत कई जरूरी सवालों पर आज केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई, इसके अलावा विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने संसद में भी इस पर आधिकारिक बयान दिया। केंद्र सरकार के मुताबिक 5 अगस्त को शेख हसीना ने बेहद शार्ट नोटिस पर कुछ लम्हे के लिए भारत आने की अनुमति मांगी और इसके साथ ही बांग्लादेश प्रशासन ने फ्लाइट क्लियरेंस की अनुमति मांगी, जिसके बाद 5 तारीख की शाम को शेख हसीना दिल्ली पहुंच गई। सरकार ने संसद में यह जानकारी भी दी कि वहां के अल्पसंख्यक समुदायों और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पर उसकी नजर है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह जानकारी सामने आई है कि शेख हसीना के ब्रिटेन जाने पर भी संशय है, क्योंकि वहां की सरकार ने उन्हें किसी भी तरह का कानूनी संरक्षण देने से इनकार कर दिया। ब्रिटिश सरकार ने शेख हसीना से कहा है कि अगर उनके खिलाफ कोई कानूनी–कार्यवाही शुरू होती है तो ब्रिटेन उनका बचाव नहीं करेगा। इन स्थितियों में शेख हसीना का अगला कदम क्या होगा, इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। लेकिन जिस तरह अपनी सुरक्षा के लिए उन्होंने सबसे पहले भारत से ही संपर्क किया और वह भी काफी कम वक्त में, उससे जाहिर होता है कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते कितने मजबूत रहे हैं। अब जो नयी सरकार गठित होगी, क्या उसके साथ भी भारत के संबंध सौहार्द्रपूर्ण और भरोसे के रहेंगे, इसे परखना होगा। क्योंकि बांग्लादेश भारत का पड़ोसी देश ही नहीं है, हमारी सीमाओं के साथ–साथ आर्थिक, सामरिक, सांस्कृतिक हितों की भी साझेदारी है। जिन हालात में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने पाकिस्तान के दो हिस्से कराकर बांग्लादेश का निर्माण करवाया था, उस हार का स्वाद पाकिस्तान अब तक नहीं भूला है और चीन ने भी भारत की सक्षमता को तब देख लिया था। लेकिन अब चीन और पाकिस्तान दोनों बांग्लादेश को आधार बनाकर भारत में अपने गलत इरादों को अंजाम देने की कोशिश करेंगे, इस बारे में भारत को पहले से सचेत रहना होगा। सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूछा कि क्या सरकार के पास बांग्लादेश के घटनाक्रम में किन्हीं बाहरी ताकतों की भूमिका के बारे में कोई जानकारी है, तो विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि सरकार के पास केवल पाकिस्तान के राजनयिक की बदली हुई डीपी (डिस्प्ले पिक्चर) के बारे में जानकारी है जो विद्रोहियों को उनके समर्थन को दर्शाती है। यह जानकारी छोटी सी है, लेकिन इसके मायने काफी गहरे हैं। पाकिस्तान के राजनयिक अगर विद्रोहियों को समर्थन दे रहे हैं, तो जाहिर है कि बांग्लादेश की राजनैतिक अस्थिरता या वहां कठपुतली सरकार बनाने में बाहरी ताकतों की दिलचस्पी है। ये ताकतें कौन सी हैं, और इनका असल मकसद क्या है, इसे बेहद सावधानी के साथ विश्लेषित करने की जरूरत है। क्योंकि बांग्लादेश केवल मोहरा हो सकता है और निशाने पर कोई और हो सकता है। अफ्रीका और एशिया के कई देशों में पिट्ठू सरकारों को बिठाने का सफल प्रयोग वैश्विक ताकतें पहले कर चुकी हैं, अरब बसंत जैसे उदाहरण भी हमारे सामने हैं, जहां आंदोलन के प्रत्यक्ष कारण कुछ और होते हैं और छिपे हुए एजेंडे जब तक सामने आते हैं, तब तक देश बर्बाद हो चुके होते हैं। ऐसे आंदोलनों में धर्म और नस्ल के नाम पर अत्याचार सहउत्पाद की तरह आता है और लोगों का ध्यान उन्हीं में उलझ कर रह जाता है। इस वक्त बांग्लादेश में भी यही सब हो रहा है। हिंदुओं पर मंडराता खतरा, मंदिरों पर हमला, ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जिनसे भारत में चिंता उपजना स्वाभाविक है। लेकिन क्या धर्म की आड़ में लोकतंत्र पर मंडराए खतरे से ध्यान भटकाया जा रहा है, यह भी समझना होगा। शेख हसीना की चुनावों में जीत पर सवाल उठाना, उनकी नीतियों और फैसलों का विरोध करना, उनसे इस्तीफे की मांग करना, सब जायज रहता, अगर यह सब लोकतंत्र के दायरे में रहकर किया जाता। लेकिन शेख हसीना को जिन हालात में देश छोड़ने पर मजबूर किया गया और फिर बंग बंधु शेख मुजीबुर्रहमान की प्रतिमा को प्रहार करके तोड़ा गया, वह असल में लोकतंत्र पर प्रहार था। आंदोलनकारियों ने जिस तरह शेख हसीना के आवास पर कब्जा किया और उनके निजी सामान का बेहूदा प्रदर्शन किया, वह उपद्रवियों और दंगाइयों का आचरण था, आंदोलनकारी इस तरह अपने लक्ष्य से नहीं भटकता करते हैं। बांग्लादेश में लोकतंत्र का ढहना भारत के लिए किसी लिहाज से अच्छी खबर नहीं है, क्योंकि इस समय हमारे पड़ोसी देशों में एक बांग्लादेश ही था, जहां लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम थी। वहां की अंतरिम सरकार कितनी लोकतांत्रिक रहती है, यह तो आगे जाकर ही पता चलेगा। लेकिन फिलहाल नरेन्द्र मोदी की सरकार को हरेक कदम सावधानी से उठाना होगा और इसके लिए अगर विपक्षी दलों से सलाह–मशविरा किया जाए, तो उसमें कोई हर्ज नहीं है। मंगलवार को जो सर्वदलीय बैठक हुई, उसमें सभी दलों ने सरकार से सहयोग ही किया है, लेकिन आश्चर्य इस बात का है कि इस अतिमहत्वपूर्ण विषय पर हुई बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं क्यों अनुपस्थित रहे। इसी तरह आम आदमी पार्टी को इस बैठक में शामिल करना सरकार ने क्यों जरूरी नहीं समझा, इसका तार्किक जवाब भी सरकार को देना चाहिए। क्योंकि यह वक्त क्षुद्र राजनीति का नहीं है।

# अहं और प्रजातंत्र विरोधी रवैया शेख हसीना के अधरूपतन के लिए जिम्मेदार

**एल.एस. हरदेनिया**

बांग्लादेश में शेख हसीना और उनकी सरकार के अधरूपतन के बाद शायद दुनिया में एकमात्र धर्मनिरपेक्ष इस्लामिक देश का पतन हो गया है। शेख हसीना के पिता मुजीबुर रहमान बांग्लादेश के निर्माता थे। उन्होंने यह सिद्ध किया था कि नागरिकों के लिए धर्म से ज्यादा महत्व भाषा का है। जब पाकिस्तान के अधिनायकशाही शासकों ने बांग्लादेश पर उर्दू को लादने की कोशिश की थी तो उन्होंने इसे नामंजूर कर दिया था और यह कहा था कि बांग्ला भाषा ही हमारी मातृभाषा है। इसके साथ ही पाकिस्तान के चुनाव में मुजीबुर रहमान को बहुमत मिला था। इसके बावजूद पाकिस्तान के शासकों ने उन्हें पाकिस्तान का प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया। इस सबका बांग्लादेश के नागरिकों ने जबरदस्त विरोध किया और उन्होंने पाकिस्तान से अलग होने का फैसला किया। इस बीच मुजीबुर रहमान की हत्या कर दी गई। बांग्लादेश का शासन दक्षिणपंथी इस्लामी ताकतों के हाथ में आ गया। परंतु कुछ समय के बाद मुजीबुर रहमान की आवामी लीग फिर सत्ता में आ गई और शेख हसीना प्रधानमंत्री बनीं। उनके शासनकाल में बांग्लादेश ने काफी प्रगति की। वहां की आर्थिक व्यवस्था में भारी सुधार हुआ। आर्थिक प्रगति के साथ ही शेख हसीना ने वहां अनेक संवैधानिक सुधार किए। इन सुधारों के जरिये उन्होंने बांग्लादेश को एक पूर्णतः धर्मनिरपेक्ष राज्य बनाया। वहां रहने वाले अल्पसंख्यकों को जिनमें हिन्दू भी शामिल थे, पूरी सुरक्षा दी और दक्षिणपंथियों को सिर उठाने का अवसर नहीं दिया। भारत से भी बांग्लादेश के संबंध अच्छे हो गये। जिन बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम पर भाजपा अपनी राजनीति करती थी उसमें कुछ हद तक ब्रेक लग गया और नरेन्द्र मोदी ने भी बांग्लादेश से अपने संबंध सुधारने में कोई कसर नहीं छोड़ी। परंतु धीरे–धीरे शेख हसीना को सत्ता का नशा चढ़ने लगा। वहां उन्होंने अपने विरोधियों पर जबरदस्त ज्यादतियां कीं। यहां तक कि उनकी सबसे बड़ी विरोधी पार्टी की नेता खालिदा जिया को जेल में डाल दिया। उनकी पार्टी को चुनाव लड़ने में तरह–तरह की बाधाएं उत्पन्न कीं और स्थिति इतनी खराब हो गई कि खालिदा जिया की पार्टी ने अभी पिछले चुनाव में भाग लेने से भी मना कर दिया। इसी तरह वहां की एक और पार्टी जमाते इस्लामी को उन्होंने आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया, जबकि जमात का बांग्लादेश में प्रभाव था। उन्होंने हर तरह से लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला किया। नतीजे में उनकी लोकप्रियता घटती गई और एक मौका ऐसा आया कि लगभग पूरा बांग्लादेश उनके विरूद्ध हो गया। जब उन्होंने उनके विरोधियों को आतंकवादी कहा और उन्हें रजाकार भी निरूपित किया, इससे पूरे बांग्लादेश में आक्रोश फैल गया। फिर इन्होंने एक और गलत फैसला किया कि उन लोगों को जो 1971 के पाकिस्तान विरोधी आंदोलन में शामिल हुए थे उनको नौकरी देने का फैसला किया। नौकरी प्राथमिकता पर दी जाने लगी और सरकारी नौकरियों में उन्हें 30 प्रतिशत आरक्षण दे दिया गया। इसका जबरदस्त विरोध बांग्लादेश में हुआ और इस विरोध ने शेख हसीना का व्यक्तिगत रूप ले लिया और मांग उठने लगी कि शेख हसीना इस्तीफा दो और बांग्लादेश छोड़ो। विरोध इतना बढ़ गया कि शेख हसीना को रात के अंधेरे में हैलिकाप्टर से अपनी बहन के साथ, कुल दो सूटकेस और अपनी काम की चीजों के साथ, बांग्लादेश को छोड़ना पड़ा। वहां की फौज ने उनको बांग्लादेश छोड़ने में मदद की। फौज ने उनकी मदद इसलिए की कि यदि वे बांग्लादेश से नहीं भागतीं तो शायद उनकी हत्या कर दी जाती। उन्होंने भारत में शरण ली और भारत सरकार ने उनके हवाईजहाज को फौजी हवाई अड्डे में उतरने की इजाजत दी और उन्हें अस्थायी शरण दी। भारत पहुंचने के बाद हमारे सुरक्षा सलाहकार उनसे मिले और उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया। अब वे तय कर रही हैं कि वे किस देश में शरण लें। उनकी सरकार के पतन से हमारे सामने बहुत ही गंभीर समस्या खड़ी हो गई है, क्योंकि बांग्लादेश सही मायनों में हमारा मित्र देश है। वहां जो स्थिति बनी है उसका चीन और पाकिस्तान पूरा लाभ लेने की कोशिश करेंगे। इन दोनों देशों की नीति का विरोध करना हमारे लिए कठिन हो जायेगा। शेख हसीना के पुत्र ने भी घोषणा कर दी है कि उनकी राजनीति समाप्त हो गई है और वे शायद ही बांग्लादेश जायेंगी। उनका अधरूपतन इस बात का प्रतीक है कि भले ही आप धर्मनिरपेक्ष हों परंतु यदि आप डेमोक्रेटिक नहीं हैं तो आपकी धर्मनिरपेक्षता का कोई अर्थ नहीं होता। शेख हसीना की धर्मनिरपेक्षता के प्रति प्रतिबद्धता इस हद तक थी कि जिन रवीन्द्रनाथ टैगोर के गीत को हमने अपना राष्ट्रगान बनाया था, उन्हीं रवीन्द्रनाथ टैगौर के गीत को उन्होंने भी बांग्लादेश का राष्ट्रगान बनाया था। इसके साथ ही साड़ी यदि कहीं सबसे ज्यादा पहनी जाती थी तो प्रायरू बांग्लादेश में। वे स्वयं हमेशा साड़ी पहनती थीं। वहां के रहन–सहन से उन्होंने हमेशा यह बताने की कोशिश की कि वे भारत की सच्ची मित्र हैं। परंतु उनके सत्ता के घमंड के सामने यह सब नहीं टिक सका और उन्हें अत्यधिक शर्मनाक स्थिति में अपनी मातृभूमि को छोड़ना पड़ा और अपने पिता की धरोहर को खोना पड़ा। यहां यह बताना उचित होगा कि जब शेख मुजीबुर रहमान की हत्या की गई तो उस समय उनके परिवार में जितने लोग थे सबकी हत्या कर दी गई थी। परंतु शेख हसीना इसलिए बच गई थीं कि वे उस समय जर्मनी में थीं। उसके बाद उन्होंने लम्बे समय तक अपने पिता के आदर्शों पर चलने का प्रयास किया परंतु वे बाद में भटक गईं हम भारतवासियों को इसका हमेशा दुख रहेगा।

# बालों की चोटी घुमाकर सनी लियोनी ने की खुलकर मस्ती, फैंस बोले–नौटंकी गर्ल

बॉलीवुड की हॉट एंड बोल्ड एक्ट्रेस सनी लियोनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वे अपनी फोटो और वीडियो के जरिए फैंस से जुड़ी रहती हैं। सनी का हर एक पोस्ट इंटरनेट पर वायरल होता है। अब सनी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे श्व्हिप माई हेयरश सॉन्ग पर झूमती नजर आ रही हैं। बता दें कि व्हिप माई हेयर एक इंग्लिश सॉन्ग है, जिसे अमेरिकी एक्ट्रेस व सिंगर विलो स्मिथ ने गाया है। यह गाना 2010 में रिलीज हुआ था और यह उनका डेब्यू सिंगल था। गाने के लिरिक्स और म्यूजिक आत्मविश्वास की भावना को बढ़ावा देते हैं।सनी लियोनी ने इस गाने पर एक रील शेयर की। वह येलो शॉर्ट ड्रेस में नजर आ रही हैं, उन्होंने बालों की पोनीटेल बनाई हुई है। वह इस गाने पर अपनी

पोनीटेल को घूमाती नजर आ रही हैं। इस वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। एक फैन ने मजाकिया अंदाज में लिखा–नौटंकी गर्ल। वहीं दूसरे फैन ने लिखा, आप हर किसी के दिल की क्वीन हैं। एक अन्य फैन ने लिखा, ब्यूटीफुल डॉल। इस रील को शेयर करते हुए सनी लियोनी ने कैप्शन में लिखा, व्हिप इट बेबी। वर्कफ्रंट की बात करें तो, सनी ने हाल ही में तमिल फिल्म कोटेशन गैंग का फर्स्ट लुक जारी किया, इसमें ग्लैमरस अवतार को छोड़ वह एक ग्रामीण माफिया सदस्य की भूमिका में नजर आ रही हैं। इस पोस्टर में उन्होंने एक्टर जैकी श्रॉफ की गर्दन पकड़ी हुई है। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ के अलावा द फैमिली मैन फेम प्रियामणि भी लीड रोल में हैं। इसके अलावा, सनी के पास लेखक अनुराग कश्यप की कैनेडी भी है। इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल कान फिल्म फेस्टिवल में हुआ था और जल्द ही इसे सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा, वह हिमेश रेशमिया और प्रभुदेवा के साथ एक और फिल्म पर काम कर रही हैं। उनके अपकमिंग मलयालम प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। उनकी लाइफ की बात करें तो सनी लियोनी का जन्म 13 मई 1981 को कनाडा में पंजाबी परिवार में हुआ। उनका असली नाम करनजीत कौर वोहरा है। 2003 में पॉर्न इंडस्ट्री में आने से पहले सनी ने बेकरी और टैक्स एंड रिटायरमेंट फर्म में काम किया था। उन्होंने रियलिटी शो बिग बॉस 5 में बतौर वाइल्ड कार्ड एंट्री ली। फिर डायरेक्टर महेश भट्ट ने उन्हें जिस्म 2 का ऑफर दिया। इस फिल्म में सनी के साथ रणदीप हुड्डा नजर आए। इसके बाद उन्हें बैक टू बैक फिल्में मिलती गईं। उन्होंने जैकपॉट, रागिनी एमएमएस 2, एक पहेली लीला, कुछ–कुछ लोचा है, मस्तीजादे, वन नाइट स्टैंड (2016) जैसी कई फिल्मों में काम किया। एक्टिंग से अलग, 2016 में सनी लियोनी ने अपना खुद का कॉस्मेटिक ब्रांड लॉन्च किया था।

## इट वाज ऑल ए ड्रीम वर्ल्ड टूर के लिए भारत आएंगे पंजाबी सिंगर करण औजला

नवीनतम ट्रैक तौबा–तौबा से लोगों के दिलों पर राज करने वाले पंजाबी सिंगर करण औजला अपने इट वाज ऑल ए ड्रीम वर्ल्ड टूर के साथ भारत में प्रदर्शन करते नजर आएंगे। करण ने कहा, मैं भारत में अपने प्रशंसकों से मिले प्यार और समर्थन से बेहद अभिभूत हूं। दिल्ली में तीसरा शो करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। इस अविश्वसनीय प्रतिक्रिया ने मेरे जुनून को और भी ज्यादा दमदार संगीत बनाने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि वह अपने प्रशंसकों के साथ मंच साझा करने और साथ में अविस्मरणीय यादें बनाने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, यह टूर सिर्फ एक कॉन्सर्ट नहीं है, यह हमारे जुड़ाव का जश्न है। यहीं से मेरी संगीत यात्रा शुरू हुई थी, ऐसे में यहां अपने प्रशंसकों के साथ इस पल को साझा करना अविश्वसनीय रूप से खास है। करण ने कहा कि इस दौरे के माध्यम से वह संगीत का जश्न मनाना चाहते हैं। यह हम सभी को आपस में जोड़ता है। यहां मैं उन लोगों से व्यक्तिगत रूप से मिल सकूंगा, जिन्होंने पहले दिन से मेरा समर्थन किया है। हम साथ मिलकर एक संगीतमय यात्रा पर निकलेंगे जो हमारी जड़ों और मानवीय संबंधों की शक्ति का जश्न मनाएगी। इट वाज ऑल ए ड्रीम वर्ल्ड टूर अगस्त में कनाडा, सितंबर में यूके और अक्टूबर 2024 में न्यूजीलैंड में आयोजित किया जाएगा। वह 19 दिसंबर को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अपना तीसरा शो करेंगे। टीम इनोवेशन के बिजनेस हेड ऋषभ तलवार ने बताया कि करण औजला के इट्स वाज ऑल ए ड्रीम वर्ल्ड टूर की अभूतपूर्व मांग पंजाबी संगीत की अविश्वसनीय शक्ति का प्रमाण है। उन्होंने कहा, यह टूर इतिहास बनाने के लिए तैयार है और हमें इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में सबसे आगे रहने और भारतीय दर्शकों के लिए विश्व स्तरीय मनोरंजन लाने पर गर्व है। टीम इनोवेशन द्वारा प्रस्तुत और निर्मित और लाइव नेशन द्वारा समर्थित, यह टूर 7 दिसंबर को चंडीगढ़ में शुरू होगा, इसके बाद 13 दिसंबर को बेंगलुरु और फिर 15 दिसंबर और 18 दिसंबर को दिल्ली एनसीआर में होगा। वहीं 21 दिसंबर को मुंबई में इसका अंतिम पड़ाव होगा।

## सन ऑफ सरदार 2 की शूटिंग शुरू, अजय देवगन के साथ नजर आएंगी ये एक्ट्रेस

साल 2012 में रिलीज हुई अजय देवगन और संजय दत्त स्टारर 'सन ऑफ सरदार' का सीक्वल लाने की तैयारी हो रही है। अजय देवगन ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। मंगलवार को अजय देवगन ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर इसका खुला ऐलान किया। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग स्कॉटलैंड में की जा रही है। वीडियो में कुछ खास पल कैप्चर किए गए हैं। जिसमें सेट की ६ ाा़मेचौकड़ी जिमी जिब (कैमरा), रंगों में डूबी होली के शॉट्स, कुछ डांस क्लिप्स भी हैं। शुरुआत गुरुद्वारे में मत्था टेकने से होती है। इसमें अजय देवगन के बेटे युग भी दिख रहे हैं। जो सन ऑफ सरदार 2 का क्लैप लेते देखे जा सकते हैं। बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन सोशल मीडिया पर वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'सन ऑफ सरदार 2' का सफर प्रार्थनाओं, आशीर्वाद और एक बेहतरीन टीम के साथ शुरू हुआ। 'सन ऑफ सरदार 2' की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां पर इसका पिछला पार्ट खत्म हुआ था। अश्विनी धीर द्वारा निर्देशित, 'सन ऑफ सरदार' एस.एस. राजामौली की फिल्म 'मर्यादा रमन्ना' का रीमेक थी। इसमें संधू और रंधावा परिवारों के बीच दुश्मनी को दिखाया गया था। फिल्म में संजय दत्त, सोनाक्षी सिन्हा और जूही चावला लीड रोल में थे। सीक्वल, 'सन ऑफ सरदार 2' का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा कर रहे है। इसमें कई एक्टर्स कैमियो रोल्स में होंगे। बता दें मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संजय दत्त को एक्टर रवि किशन के साथ रिप्लेस किया गया है। उनके बाहर होने का कारण यूके वीजा में आ रही दिक्कत बताई जा रही है। फिल्म की शूटिंग के लिए उनका वहां जाना जरूरी था। अजय देवगन की हाल ही में फिल्म 'औरों में कहां दम था' रिलीज हुई, जो बॉक्स–ऑफिस पर ठीक–ठाक प्रदर्शन कर रही है। वर्क फ्रंट की बात करें तो, अजय के पास 'सिंघम अगेन' भी है। फिल्म के निर्देशक रोहित शेट्टी ने आईएएनएस को बताया था कि फिल्म अभी पोस्ट–प्रोडक्शन स्टेज पर है।

> बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन सोशल मीडिया पर वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'सन ऑफ सरदार २' का सफर प्रार्थनाओं, आशीर्वाद और एक बेहतरीन टीम के साथ शुरू हुआ। 'सन ऑफ सरदार २' की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां पर इसका पिछला पार्ट खत्म हुआ था।

## हौली हौली गाने पर हे बेबी का डांस देख हो जाएंगे लोटपोट, अक्षय कुमार ने शेयर किया वीडियो

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार अपनी अगली फिल्म खेल खेल में को लेकर चर्चा में हैं। मेकर्स ने हाल ही में फिल्म का पहला गाना श्हौली हौलीश जारी किया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस फिल्म को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। इसके पीछे स्टारकास्ट तो हैं ही, साथ ही पर्दे पर एक बार फिर अक्षय कुमार और फरदीन खान का दिखना भी है। इससे पहले अक्षय कुमार और फरदीन खान फिल्म हे बेबी में नजर आए थे। यह फिल्म 2007 में रिलीज हुई थी। इसमें इन दोनों के अलावा रितेश देशमुख भी थे। अपने पुराने पलों को ताजा करते हुए अक्षय ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, और बताया कि हे बेबी किस तरह हौली हौली पर डांस करते हैं। वीडियो में अक्षय, रितेश और फरदीन डांस करते नजर आ रहे हैं। पहले दोनों श्हे बेबीश के ट्रैक सॉन्ग पर डांस करते हैं, इस दौरान हौली हौली सॉन्ग बजने लगता है और तीनों जमकर नाचते हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा, जब हे बेबी मीट्स हौली हौली... हमने इस खेल–खेल में बहुत मजा किया, अब आप लोग अपने दोस्तों के साथ श्हौली हौलीश पर अपने रील्स बनाएं, हमारे साथ शेयर करें और हम सबसे अच्छे वीडियो को रीशेयर करेंगे! बता दें कि ओरिजनल गाने में अक्षय कुमार, वाणी कपूर, तापसी पन्नू, एमी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जायसवाल और फरदीन खान हैं। गुरु रंधावा, यो यो हनी सिंह और नेहा कक्कड़ ने इस गाने में अपनी आवाज दी है, जबकि पीयूष–शाजिया ने कोरियोग्राफी किया है। वहीं कॉमेडी ड्रामा खेल खेल में को मुदस्सर अजीज ने डायरेक्ट किया है। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विपुल डी शाह, अश्विन वर्दे, राजेश बहल, शशिकांत सिन्हा और अजय राय ने मिलकर इसे प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2016 के ड्रग्स मामले में ममता कुलकर्णी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को खारिज कर दिया

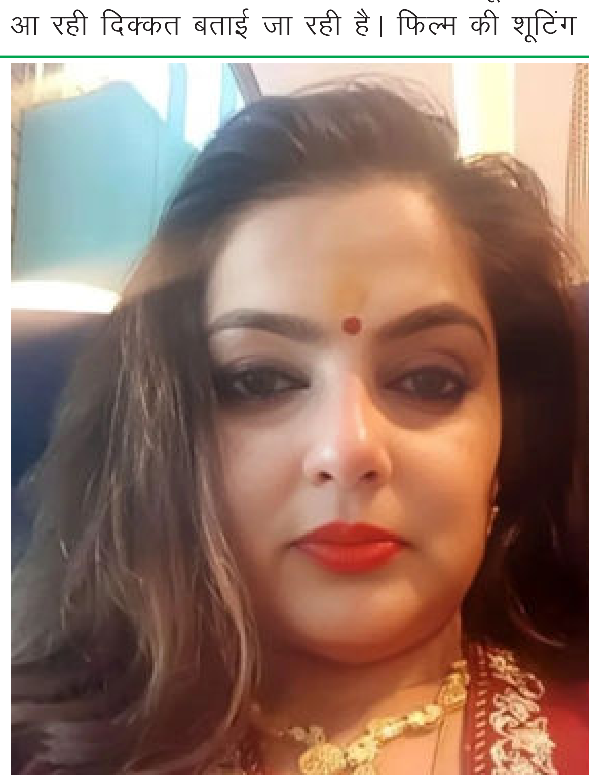

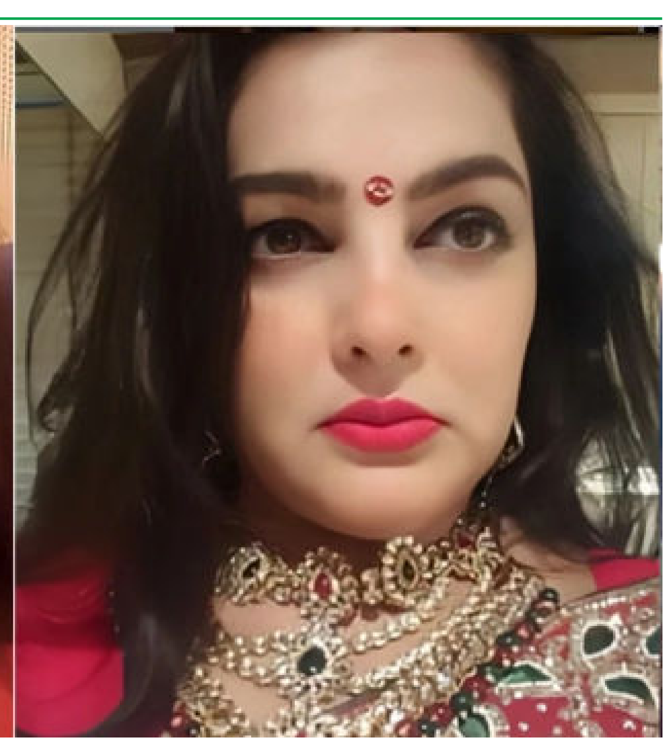

बॉम्बे हाईकोर्ट ने पूर्व बॉलीवुड अदाकारा ममता कुलकर्णी के खिलाफ दर्ज 2016 के ड्रग्स मामले को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ कार्यवाही स्पष्ट रूप से तुच्छ और परेशान करने वाली थी और इसे जारी रखना अदालत की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने जैसा होगा। जस्टिस भारती डांगरे और मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने 22 जुलाई को पारित एक आदेश में, जिसकी एक प्रति बुधवार को उपलब्ध कराई गई, कहा कि यह ष्स्पष्ट रायष है कि कुलकर्णी के खिलाफ एकत्र की गई सामग्री प्रथम दृष्टया उनके खिलाफ कोई अपराध नहीं बनाती है। पीठ ने अपने आदेश में कहा, ष्हम संतुष्ट हैं कि याचिकाकर्ता (कुलकर्णी) के खिलाफ अभियोजन जारी रखना अदालत की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने जैसा होगा।ष अदालत ने कहा कि वह संतुष्ट है कि यह एफआईआर को रद्द करने के लिए अपनी अंतर्निहित शक्तियों का प्रयोग करने के लिए एक उपयुक्त मामला है क्योंकि कार्यवाही स्पष्ट रूप से तुच्छ और परेशान करने वाली है। ममता कुलकर्णी ने 2016 में ठाणे पुलिस द्वारा नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत उनके खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को रद्द करने के लिए याचिका दायर की थी। उसने दावा किया कि उसे मामले में फंसाया गया है और वह केवल एक सह–आरोपी विक्की गोस्वामी से परिचित थी।

## नाग पंचमी की पूजा के दौरान इन बातों का रखें विशेष ध्यान, प्रसन्न होंगे नाग देवता

सावन के महीने में नाग पंचमी का पर्व बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर पड़ता है। इस दिन नाग देवता की पूजा–अर्चना और व्रत करने का विधान है। मान्यता है कि नाग देवता की उपासना करने से साधक के सभी कष्ट दूर होते हैं। इस दिन पूजा के दौरान कई बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पूजा नियम का पालन न करने से साधक शुभ फल की प्राप्ति से वंचित रहता है। चलिए इस लेख में जानते हैं नाग पंचमी की पूजा के नियम के बारे में।

इन बातों का रखें ध्यान

नाग पंचमी के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान करने के बाद पूजा करें। इस दिन मंदिर में चांदी के नाग और नागिन का दूध से अभिषेक करें और जीवन में सुख–शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक को राहु और केतु से संबंधित दोषों से छुटकारा मिलता है। नाग पंचमी पर चांदी के नाग और नागिन का दान करने से कार्यों में आ रही बाधा दूर होती है और कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा साधक

नाग पंचमी के अवसर पर पूजा के दौरान नाग देवता को दूध अर्पित करें। इससे भय दूर होता है और परिवार के सदस्यों को सुख–शांति की प्राप्ति होती है।

नाग पंचमी के दिन नाग देवता और शिवलिंग पर दूध अर्पित करने के लिए तांबे के धातु से बने पात्र का प्रयोग नहीं करना चाहिए। दूध चढ़ाने के लिए पीतल से बने पात्र को अच्छा माना जाता है। इसके अलावा नुकीली चीजों के इस्तेमाल से दूर रहें। ऐसा करना हानिकारक हो सकता है और इससे नाग देवता क्रोधित हो सकते हैं। पंचांग के अनुसार, सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि की शुरुआत 09 अगस्त को मध्य रात्रि 12 बजकर 36 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन 10 अगस्त को देर रात्रि 03 बजकर 14 मिनट पर होगा। उदया तिथि के आधार पर नाग पंचमी का पर्व 09 अगस्त को मनाया जाएगा।

## वेट लॉस के साथ हड्डियों के लिए भी फायदेमंद है ये सब्जी, आप भी करें सेवन

मशरूम ना तो फल है और ना ही यह सब्जी है। बल्कि यह खाई जाने वाली एक फंगस है। मशरूम दिखने में एकदम छतरी जैसा होता है। वहीं लोग इसको खाना बहुत पसंद करते हैं। मशरूम की सब्जी बनाकर खाई जाती है। हालांकि यह बात बहुत कम लोगों को मालूम है कि इसकी मशरूम की सब्जी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। अगर आप वेट लॉस करना चाहते हैं और अपनी हड्डियों को मजबूती देना चाहते हैं, तो मशरूम आपके लिए एक बेहतर खाद्य पदार्थ साबित हो सकता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मशरूम खाने के फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं।

मशरूम की सब्जी

मशरूम की सब्जी का सेवन करने से आपकी हड्डियों को मजबूती प्राप्त होती है। मशरूम विटामिन डी का सबसे अच्छा स्त्रोत माना जाता है। विटामिन डी हड्डियों को मजबूत बनाता है और इसमें मौजूद कैल्शियम के अवशोषण की मदद करता है। साथ ही इसमें विटामिन B12 पाया जाता है। यह भी हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण होता है और बोन डेंसिटी को बनाए रखने में सहायता मिलती है। मशरूम में फॉस्फोरस और कॉपर जैसे जरूरी मिनरल्स पाए जाते हैं। इससे हड्डियों की संरचना को मजबूती मिलती है और यह हड्डियों के स्वास्थ्य में सुधार करने में सहायक होता है।

वेट लॉस में फायदेमंद

अगर आप वेट लॉस करना चाहते हैं, तो आप मशरूम की सब्जी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। हालांकि इसको कम तेल–मसाले में बनाना चाहिए। इसमें घुलनशील फाइबर पाया जाता है। जो आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखता है। इससे आप एक्स्ट्रा कैलोरी का सेवन करने से बच जाते हैं। साथ ही यह आपके मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में सहायता करता है। इस तरह से यह वेट लॉस में फायदेमंद होता है।

## बच्चों पर मंडरा रहा है काली खांसी का खतरा, इस तरह करें अपने परिवार का बचाव

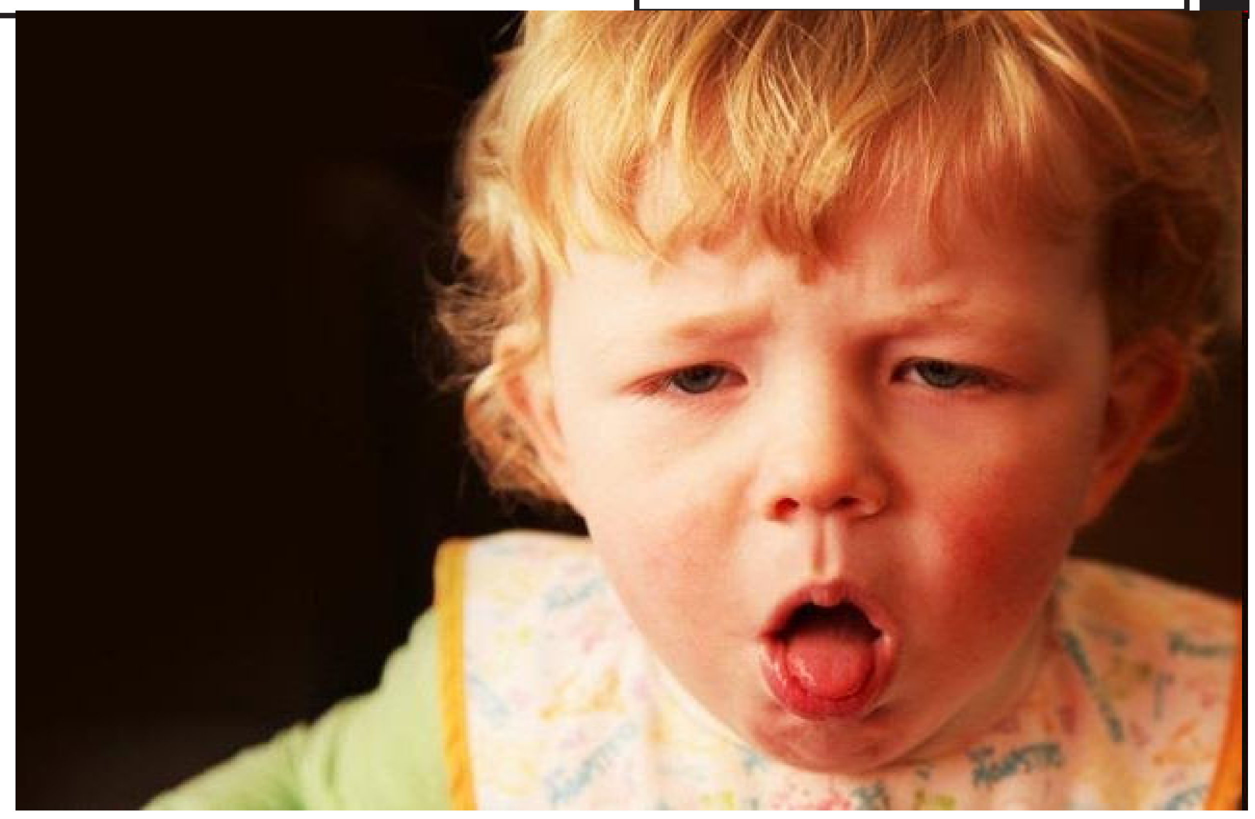

2024 में अब तक पूरे ऑस्ट्रेलिया में काली खांसी (पर्टुसिस) के 17,000 से अधिक मामले सामने आए हैं। यह पूरे 2023 के दौरान सामने आए इस तरह के मामलों की तुलना में छह गुना अधिक हैं। कई राज्यों में समाचारों की सुर्खियों में हाल के हफ्तों और महीनों में काली खांसी फैलने की चेतावनी दी गई है। हाल ही में, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में इसमें वृद्धि दर्ज की गई है, जो राज्य के दक्षिण–पश्चिम में सबसे अधिक है। इससे छोटे शिशुओं को गंभीर बीमारी और मृत्यु का सबसे बड़ा खतरा होता है। तो काली खांसी के लिए यह इतना बड़ा साल क्यों रहा? और हम इस खतरनाक बीमारी को आगे फैलने से कैसे रोक सकते हैं?

काली खांसी क्या है?

काली खांसी एक संक्रमण है जो फेफड़ों और वायुमार्ग को प्रभावित करता है। यह जीवाणु बोर्डेटेला पर्टुसिस के कारण होता है। अन्य श्वसन संक्रमणों की तरह, यह खांसने, छींकने या बात करने के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल जाता है। वयस्क और बच्चे काली खांसी से बीमार हो सकते हैं और लंबे समय तक खांसी से पीड़ित हो सकते हैं जो हफ्तों या महीनों तक रह सकती है। शिशुओं में, जब इस तरह की खांसी होती है तो उनके सांस लेने पर हूप की आवाज आती है और खांसने के बाद उन्हें उल्टी हो सकती है। कुछ मामलों में, खांसी नहीं होती, और एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सांस लेने में रुकावट का अनुभव हो सकता है या उनका रंग नीला पड़ सकता है। छह महीने से छोटे बच्चे विशेष रूप से काली खांसी की चपेट में आते हैं क्योंकि तब तक उनका पूरी तरह से टीकाकरण नहीं हुआ होता है। चार महीने से कम उम्र के शिशुओं में अस्पताल में भर्ती होने की दर सबसे अधिक है। एक वर्ष से कम उम्र के अस्पताल में भर्ती 100 बच्चों में से लगभग एक की संक्रमण से मृत्यु हो सकती है।

इस साल मामले क्यों बढ़ रहे हैं?

अन्य संक्रामक रोगों के साथ, जिनमें इन्फ्लूएंजा जैसे वायरल संक्रमण और समूह ए स्ट्रेप्टोकोकल संक्रमण जैसे जीवाणु संक्रमण शामिल हैं, काली खांसी लगभग कोविड महामारी के चरम पर गायब हो गई। सामाजिक दूरी के उपायों में ढील दिए जाने के बाद, हमने श्वसन संक्रमण फैलने का सामान्य से अधिक बोझ देखा है। यह उन बच्चों के लिए विशेष रूप से सच है, जिनका लॉकडाउन अवधि के दौरान बाहरी वातावरण से कम संपर्क था। काली खांसी आमतौर पर हर तीन से चार साल में बढ़ती है, लेकिन महामारी के दौरान सामाजिक दूरी, सीमा नियंत्रण, लॉकडाउन और मास्क पहनने का मतलब है कि हमारी आखिरी चरम स्थिति 2016 में थी। इसलिए अब कई लोगों में काली खांसी के प्रति सामान्य की तुलना में कम प्रतिरोधक क्षमता है। इसके अलावा, काली खांसी अत्यधिक संक्रामक होती है और प्रतिरक्षा – चाहे टीकाकरण से हो या प्राकृतिक संक्रमण से – समय के साथ कम हो जाती है। इससे लोगों को बार–बार संक्रमण होने का खतरा रहता है।

वैक्सीन के बारे में क्या?

टीकाकरण खुद को और कमजोर बच्चों को काली खांसी के संक्रमण से बचाने का सबसे अच्छा तरीका है। ऑस्ट्रेलिया में, बच्चों को छह सप्ताह, चार महीने और छह महीने (प्राथमिक पाठ्यक्रम) की उम्र में छह पर्टुसिस टीके लगाए जाते हैं। बूस्टर खुराक 18 महीने, चार साल और 7 साल की उम्र में दी जाती है। बहुत छोटे शिशुओं की सुरक्षा के लिए मातृ टीकाकरण सबसे अच्छा तरीका है। गर्भवती महिलाओं के लिए काली खांसी बूस्टर खुराक की सिफारिश गर्भावस्था के 20 सप्ताह से की जाती है। यह बच्चे में सुरक्षात्मक एंटीबॉडी के हस्तांतरण में मदद देता है, जिससे जीवन के पहले कुछ महीनों के दौरान काली खांसी होने की संभावना कम हो जाती है – विशेष रूप से छह सप्ताह में अपना पहला टीकाकरण प्राप्त करने से पहले।

वैक्सीन कितनी असरदार है?

वर्तमान में अनुशंसित टीके गंभीर काली खांसी (लगभग 85ः प्रभावकारिता) से सुरक्षा प्रदान करने में अच्छे हैं। वे बच्चों में हल्के संक्रमण से रक्षा करने में कम सक्षम हैं। इसका मतलब यह है कि उनका काली खांसी के संचरण को कम करने पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ता है, जो तब होता है जब हल्के संक्रमण वाले लोग बाहर निकलने और समुदाय में घुलने–मिलने के लिए पर्याप्त रूप से स्वस्थ होते हैं। ऑस्ट्रेलिया में उपलब्ध काली खांसी के टीके ष्अकोशिकीयष टीके हैं। इन्हें संपूर्ण कोशिका निष्क्रिय टीकों (बोर्डेटेला पर्टुसिस के संपूर्ण निष्क्रिय संस्करण पर आधारित) के बजाय शुद्ध प्रोटीन का उपयोग करके बनाया जाता है।

## एक्ट्रेस जैसा फेस ग्लो पाने के लिए इन हाइलाइटर्स का करें यूज, मिलेगी ग्लोइंग ग्लास स्किन

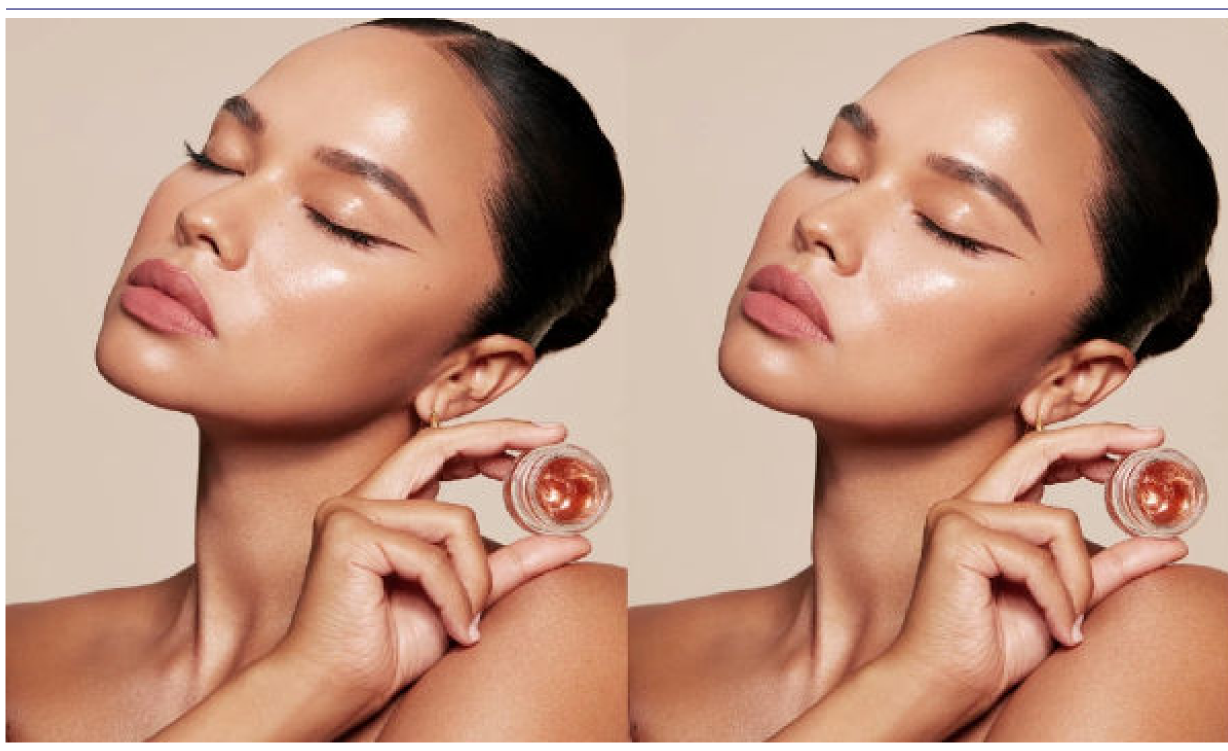

मेकअप करना हर महिला व लड़की को पसंद होता है। वहीं दमकते चेहरे के लिए हाइलाइटर का इस्तेमाल किया जाता है। हाइलाइटर के बिना मेकअप अधूरा लगता है। बता दें कि लेटेस्ट ब्यूटी ट्रेंड में हाइलाइटर काफी ज्यादा पॉपुलर है। हाइलाइटर को गालों, आंखों के किनारों और नाक के ऊपर हल्का सा हाइलाइट किया जाता है। इन दिनों हाइलाइटर में गोल्डन, ब्रॉन्ज और पिंक शेड फैशन में हैं। इनको अलग–अलग स्किन टोन के हिसाब से इस्तेमाल किया जाता है। आप चाहें तो लिक्विड या फिर पाउडर में इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में अगर आप भी किसी फंक्शन में जाने की तैयारी कर रही हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ बेस्ट हाइलाइटर के बारे में बताने जा रहे हैं।

संउम हाइलाइटर

यह हाइलाइटर क्रीम टू पाउडर फिनिश और केवल एक स्वाइप में आपको पर्फेक्शन देता है। इसमें विटामिन ई और जोजोबा ऑयल का इस्तेमाल किया गया है। इसको अप्लाई करने से फेस पर लाइट रिफलेक्टिंग शाइन पिगमेंट्स नजर आते हैं। साथ ही यह त्वचा में एंटी एजिंग इफेक्ट भी लाता है।

मेकअप रिवॉल्यूशन हाइलाइटर

यह हाइलाइटर आसानी से आपकी स्किन में ब्लेंड हो जाता है। यह आपकी त्वचा को स्मूदनेस देता है और यह लॉन्ग लास्टिंग फॉर्मूले के साथ आता है। इसको फेस पर अप्लाई करने से आपको शिमरी और सिल्की इफेक्ट मिलता है। यह आपके फेस के ऑयल को कंट्रोल कर बैलेंस्ड ग्लो देता है। इसको लगाने से त्वचा सॉफ्ट लगती है और इसमें हार्मफुल केमिकल्स का इस्तेमाल नहीं किया जाता है।

सुगर कॉस्मेटिक हाइलाइटर

यह हाइलाइटर लॉन्ग लास्टिंग और लाइटवेट इफेक्ट देने का काम करता है। यह आपके चेहरे की त्वचा को रॉयल रोज टच देता है। इसको अप्लाई करने से शिमरी फिनिश ग्लो मिलता है। बता दें कि इसको फाउंडेशन के ऊपर या फिर पहले इस्तेमाल किया जा सकता है। इस स्टिक से आप इसको आसानी से इस्तेमाल में ला सकती हैं।

LAMIOR हाइलाइटर

LAMIOR के इस इल्युमिनेटर से ग्लास स्किन वाला ग्लो मिलता है। यह आपको ड्यूवी फिनिश देने का काम करता है। यह वाटरमेलन, चौमोमाइल और नियासिनअमाइड के साथ मिलकर हाइब्रिड रोल निभाता है। इसमें हैलो शेड्स के साथ 6 और शेड्स मिलते हैं। ऐसे में आप अपनी स्किन टोन के हिसाब से इसको आसानी से चूज कर सकती हैं।

फेस कनाडा हाइलाइटर

बता दें कि फेस कनाडा हाइलाइटर में प्राइमर, मॉइश्चराइजर और हाइलाइटर का कॉम्बो पैक है। इसमें Hyaluronic Acid और Shea Butter का इस्तेमाल किया गया है। जिसके कारण यह आपके फेस को इंस्टेंट ग्लो देने का काम करता है। इसको अप्लाई करने से फ्लॉलेस रेडिएंट ड्यूवी स्किन मिलती है। फेस कनाडा हाइलाइटर में सिल्वर और गोल्ड दो शेड्स मिल रहे हैं। वहीं यह एल्कोहल और पैराबेन फ्री है। इसको एक बार लगाने से पूरा दिन फेस ग्लो करता है।

## सावन में कानपुर के फेमस शिव मंदिरों के दर्शन का बना रहे प्लान, तो ऐसे बनाएं 3 दिन का ट्रिप

इस बार 22 जुलाई से सावन महीने की शुरुआत हुई है। जिसके बाद भक्त शिवालयों में जाकर भगवान शिव की पूजा–अर्चना और दर्शन कर रहे हैं। सावन में पड़ने वाले सोमवार को चमत्कारी माना जाता है। मान्यता के अनुसार, जो भी भक्त इस महीने भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं, उनकी सभी परेशानियों को महादेव हर लेते हैं। इसी वजह से शिव भक्त बेसब्री से सावन महीने का इंतजार करते हैं। ऐसे में अगर आप भी इस बार सावन में फेमस शिव मंदिर जाने का प्लान बना रहे हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कानपुर के कुछ फेमस और खास शिव मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं।

आनंदेश्वर मंदिर

बता दें कि आनंदेश्वर मंदिर का इतिहास सदियों पुराना है। बताया जाता है कि यह शिव मंदिर महाभारत काल से भी पहले का है। यहां पर हर बार सावन के महीने में दूर–दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। ऐसे में अगर आप कानपुर के रहने वाले हैं और अभी तक इस मंदिर नहीं गए हैं, तो आपको एक बार इस मंदिर में जरूर जाना चाहिए। आनंदेश्वर मंदिर गंगा किनारे स्थित है। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां पर वर्षों से किसी न किसी शिवभक्त के द्वारा भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। सावन में इस मंदिर का नजारा देखने लायक होता है।

खेरेश्वर महादेव मंदिर

उत्तर प्रदेश के प्राचीन मंदिरों में कानपुर के शिवराजपुर स्थित खेरेश्वर महादेव मंदिर है। इस मंदिर का इतिहास भी महाभारत काल से बताया जाता है। शिव भक्त इस मंदिर को चमत्कारी मानते हैं। बताया जाता है कि सुबह जब मंदिर के कपाट खोले जाते हैं, तो वहां पर पहले ही भगवान की पूजा हो चुकी होती है। हालांकि मंदिर खुलने से पहले पूजा कैसे हो जाती है, इस बात का खुलासा आज तक नहीं हो पाया है। देर रात से ही मंदिर में भक्तों की भीड़ लगने लगती है। सावन के सोमवार में लाखों की संख्या में भक्त मंदिर में महादेव के दर्शन के लिए आते हैं।

## संक्षिप्त

### गौतम अदाणी ने सेवानिवृत्ति की कोई समयसीमा तय नहीं की : गौतम अदाणी

नयी दिल्ली। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने 210 अरब डॉलर के अपने विविध कारोबार समूह से सेवानिवृत्त होने और उसकी कमान अपने बेटों एवं भतीजों को सौंपने को लेकर कोई समयसीमा तय नहीं की है। समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने शेयर बाजारों को इससे अवगत कराया है। कंपनी ने कहा कि एक मीडिया रिपोर्ट में अदाणी को उत्तराधिकारियों और पारिवारिक ट्रस्ट में समान लाभकारी हितों को लेकर गलत ढंग से उद्धृत किया गया है। अदाणी एंटरप्राइजेज ने कहा, हाल ही में एक साक्षात्कार में गौतम अदाणी ने कारोबार की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उत्तराधिकार की योजना पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि उत्तराधिकार केवल एक घटना नहीं है, बल्कि एक यात्रा है, और यह जैविक, क्रमिक और व्यवस्थित होना चाहिए। कंपनी के मुताबिक, चेयरमैन ने रिपोर्ट में उल्लिखित विवरण के अनुरूप अपनी सेवानिवृत्ति के लिए 70 वर्ष की उम्र निर्धारित नहीं की थी। कंपनी ने कहा, अदाणी ने सेवानिवृत्ति की कोई तारीख या समय नहीं तय किया। अदाणी को पारिवारिक ट्रस्ट में उत्तराधिकारियों और समान लाभकारी हित के बारे में भी गलत तरीके से उद्धृत किया गया है। उन्होंने समूह के विभिन्न व्यवसायों में अपने दो बेटों और दो भतीजों की भागीदारी का उल्लेख किया था। ब्लूमबर्ग न्यूज ने पांच अगस्त की रिपोर्ट में कहा था कि 62 वर्षीय अदाणी 70 वर्ष की आयु में पद छोड़ने की योजना बना रहे हैं। इस रिपोर्ट में अदाणी के हवाले से कहा गया था, उत्तराधिकार कारोबार की स्थिरता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मैंने यह विकल्प दूसरी पीढ़ी पर छोड़ दिया क्योंकि बदलाव मूलभूत, क्रमिक और बेहद व्यवस्थित होना चाहिए। इस रिपोर्ट में अदाणी के बेटों– करण (37) एवं जीत (26) के अलावा भतीजों प्रणव (45) एवं सागर (30) को संभावित उत्तराधिकारी के रूप में बताया गया। इस मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, गौतम अदाणी के सेवानिवृत्त होने पर चारों उत्तराधिकारी पारिवारिक ट्रस्ट के समान लाभार्थी बन जाएंगे।

### आरबीआई ने नहीं बढ़ाई EMI, चेक क्लीयर होने में अब कई दिन की बजाय लगेंगे कुछ घंटे, यूपीआई की लिमिट भी बढ़ी

भारतीय रिजर्व बैंक ने जनता के हित में कई बड़े फैसले किये हैं। जैसे कि लगातार नौवीं बार नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसका मतलब है कि आपकी ईएमआई नहीं बढ़ेगी। इसके साथ ही अब तक आप एक दिन में यूपीआई से एक लाख रुपए तक के कर का ही भुगतान कर पाते थे जिसे बढ़ाकर अब पांच लाख रुपए कर दिया गया है। साथ ही लोगों को इस बात की बड़ी समस्या रहती थी कि चेक क्लीयर होने में बहुत समय लग जाता है लेकिन अब चेक क्लीयर होने की प्रक्रिया काफी तेज हो जायेगी। इसके अलावा आरबीआई ने जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 7.2 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। साथ ही महंगाई के 4.5 प्रतिशत रहने के अनुमान को भी बरकरार रखा गया है। जहां तक यूपीआई की लिमिट बढ़ाने संबंधी फैसले की बात है तो आपको बता दें कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यूपीआई के जरिये कर भुगतान की सीमा बढ़ाने की घोषणा की है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की मंगलवार को शुरू हुई तीन दिन की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि यूपीआई अपनी सहज सुविधाओं से भुगतान का सबसे पसंदीदा तरीका बन गया है। शक्तिकांत दास ने कहा कि विभिन्न उपयोग–मामलों के आधार पर, रिजर्व बैंक ने समय–समय पर पूंजी बाजार, आईपीओ अभिदान, ऋण संग्रह, बीमा, चिकित्सकीय और शैक्षिक सेवाओं आदि जैसी कुछ श्रेणियों के लिए सीमाओं की समीक्षा की है और उन्हें बढ़ाया है।

### आरबीआई ने अनाधिकृत ऋण देने वाले ऐप्स की जांच के लिए रिपोजिटरी बनाने की घोषणा की

भारतीय रिजर्व बैंक ने अनधिकृत ऋण देने वाले ऐप्स पर अंकुश लगाने और उपभोक्ताओं को ऐसी अवैध गतिविधियों से बचाने के लिए उपायों की घोषणा की है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने ऐसी प्रथाओं की जांच के लिए डिजिटल ऋण देने वाले ऐप्स (डीएलए) का एक सार्वजनिक भंडार बनाने का प्रस्ताव दिया है। गवर्नर दास ने कहा, रिजर्व बैंक अपने विनियमित निकायों द्वारा तैनात डीएलए का एक सार्वजनिक भंडार बनाने का प्रस्ताव करता है। विनियमित निकाय (आरई) इस भंडार में अपने डीएलए के बारे में जानकारी रिपोर्ट और अपडेट करेंगे। इस उपाय से उपभोक्ताओं को अनधिकृत ऋण देने वाले ऐप्स की

पहचान करने में मदद मिलेगी। दास ने कहा कि इस कदम से देश में एक मजबूत डिजिटल ऋण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के प्रयासों में मदद मिलेगी। आरबीआई गवर्नर ने कहा, रिजर्व बैंक ने भारत में डिजिटल ऋण पारिस्थितिकी तंत्र के व्यवस्थित विकास के लिए कई उपाय किए हैं। इस दिशा में एक और उपाय के रूप में, और अनधिकृत डिजिटल ऋण देने वाले ऐप्स से उत्पन्न होने वाली समस्याओं का समाधान करने के लिए। आरबीआई की विनियमित संस्थाओं को अपने डिजिटल ऋण देने वाले ऐप्स के बारे में अद्यतन जानकारी रिपॉजिटरी को देनी होगी।

# अब और ताकत नहीं बची, विनेश ने कुश्ती को अलविदा कहा

भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले अयोग्य ठहराये जाने के बाद खेल को अलविदा कहने की घोषणा की और कहा कि अब आगे खेलने की ताकत नहीं है। विनेश को बुधवार को 50 किग्रा वर्ग के फाइनल से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराया गया था। उन्होंने 'एक्स' पर संन्यास की घोषणा की। अपनी मां प्रेमलता को संबोधित करते हुए 29 वर्षीय विनेश ने लिखा, ''मां, कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना। आपका सपना मेरी हिम्मत सब टूट चुके। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब।'' दो बार की विश्व चौम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता ने कहा, ''अलविदा कुश्ती 2001–2024। मैं आप सभी की हमेशा ऋणी रहूंगी। मुझे माफ कर दीजिए।'' विनेश ने बुधवार को खेल पंचाट (कैस) में ओलंपिक फाइनल से खुद को अयोग्य ठहराए

जाने के खिलाफ अपील की और मांग की कि उन्हें संयुक्त रजत पदक दिया जाए।

टपदमी चैवहंज के ये रिकॉर्ड हमेशा रहेंगे याद, कुश्ती के दंगल में बनाए शानदार कीर्तिमान

ओलंपिक में डिसक्वालिफाई होने के बाद विनेश फोगाट ने कुश्ती को अलविदा कह दिया है। भले ही उन्होंने आवेश में आकर ये फैसला लिया है मगर वो कई ऐसी कीर्तिमान बना गई है जिन्हें आने वाले कई वर्षों तक याद रखा जाएगा। महिला पहलवानों के लिए इन रिकॉर्ड को तोड़ना बेहद मुश्किल है। विनेश फोगाट भले ही मेडल ना जीत सकी हों मगर वो देश के बेहतरीन पहलवानों की सूची में शीर्ष पर जरुर काबिज है। बता दें कि विनेश फोगाट सबसे पहले रध्यिो ओलंपिक 2016 में दिखी थी। इसके बाद उन्होंने टोक्यो ओलंपिक 2020 और पेरिस ओलंपिक 2024 में भी हिस्सा लिया। इसके अलावा विनेश की झोली में कुल तीन कॉमनवेल्थ गेम्स शामिल है। इसके अलावा वो दो वर्ल्ड चौंपियनशिप में ब्रॉन्ड मेडल जीत चुकी है। एक एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक भी अपने नाम किया। वह 2021 में एशियाई चौंपियन भी रहीं। वह अपनी चचेरी बहन गीता फोगट और बबीता कुमारी के पदचिन्हों पर चलती हैं और वह एक प्रसिद्ध कुश्ती परिवार से ताल्लुक रखती हैं तथा उनके चाचा महावीर सिंह फोगट ने उन्हें बहुत कम उम्र में ही इस खेल से परिचित कराया था। शानदार जूनियर करियर के बाद, विनेश ने 2014 के राष्ट्रमंडल खेलों में अपना पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता, जिसमें उन्होंने 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने इस्तांबुल में ओलंपिक क्वालीफाइंग इवेंट जीतकर रियो 2016 के लिए अपना कोटा स्थान पक्का कर लिया। लेकिन रियो में, क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद, पदक जीतने का उनका सपना टूट गया, क्योंकि मुकाबले के बीच में ही उनका दाहिना घुटना उखड़ गया।

# अगर हमें खिलाड़ियों को चुनने के मामले में कुछ अलग करने की जरूरत पड़ी तो हम ऐसा करेंगे : रोहित

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि स्पिन की अनुकूल परिस्थितियों का सामना करने की कोशिश करते समय उनके खिलाड़ी 'लगातार पर्याप्त बहादुरी नहीं' दिखा पाए और

उन्होंने संकेत दिया कि अगर ऐसा हुआ तो वे विशिष्ट परिस्थितियों के लिए विशेष खिलाड़ियों को चुनने से पीछे नहीं हटेंगे। भारत ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला का पहला मैच टाई किया लेकिन अगले दो मैचों में भारतीय बल्लेबाजों श्रीलंका के स्पिन आक्रमण के सामने घुटने टेक दिए। रोहित ने बिना किसी संकोच के कहा, ''हमें यह सोचने की जरूरत है कि कौन से खिलाड़ी इस तरह की पिचों पर खेल सकते हैं, लेकिन आपको लगातार मौके देने की भी जरूरत है क्योंकि एक या दो मौकों पर अच्छा प्रदर्शन करना आसान नहीं है। यह एक खराब श्रृंखला रही और हमें इसे स्वीकार करना होगा।'' बुधवार को तीसरे वनडे में 249 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 138 रन पर आउट होने के बाद कप्तान ने कहा, ''हमें यह स्वीकार करना होगा कि हमने कहां गलतियां कीं। हम स्पिनरों के खिलाफ अधिक दृढ़ निश्चय और आक्रामकता नहीं दिखा सके और उन्होंने हम पर लगातार दबाव बनाया।'' भारतीय टीम में जिस चीज की कमी थी, वह थी खिलाड़ियों की व्यक्तिगत योजनाएं। रोहित ने कहा, ''यह व्यक्तिगत योजनाओं के बारे में है। हमारे सामने पहले भी ऐसी समस्याएं आई हैं, जब गेंद थोड़ी घूम रही थी।

### मुंबई के लिए बुची बाबू टूर्नामेंट का एक मैच खेलेंगे सूर्यकुमार यादव

भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस साल आगामी बुची बाबू बहु–दिवसीय टूर्नामेंट में मुंबई के लिए एक मैच खेलने की पुष्टि की है।

सूर्यकुमार 27 से 30 अगस्त तक कोयंबतूर में तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन एकादश के खिलाफ मुंबई सीए एकादश के लिए खेले जाने वाले दूसरे मैच में खेलेंगे। टेस्ट विशेषज्ञ सरफराज खान को मुंबई की टीम का कप्तान बनाया गया है। सूर्यकुमार सभी प्रारूपों के क्रिकेट में खेलना चाहते हैं और भारतीय खिलाड़ी अभी ब्रेक पर होंगे क्योंकि उन्हें अगली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ खेलनी है। मुंबई क्रिकेट संघ के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया, ''सूर्यकुमार मुंबई के लिए दूसरा मैच खेलेंगे। वह भारत के लिए सभी तीनों प्रारूप में खेलना चाहते हैं और वह जब भी वह फ्री रहते हैं तो मुंबई के लिए उपलब्ध रहे हैं।

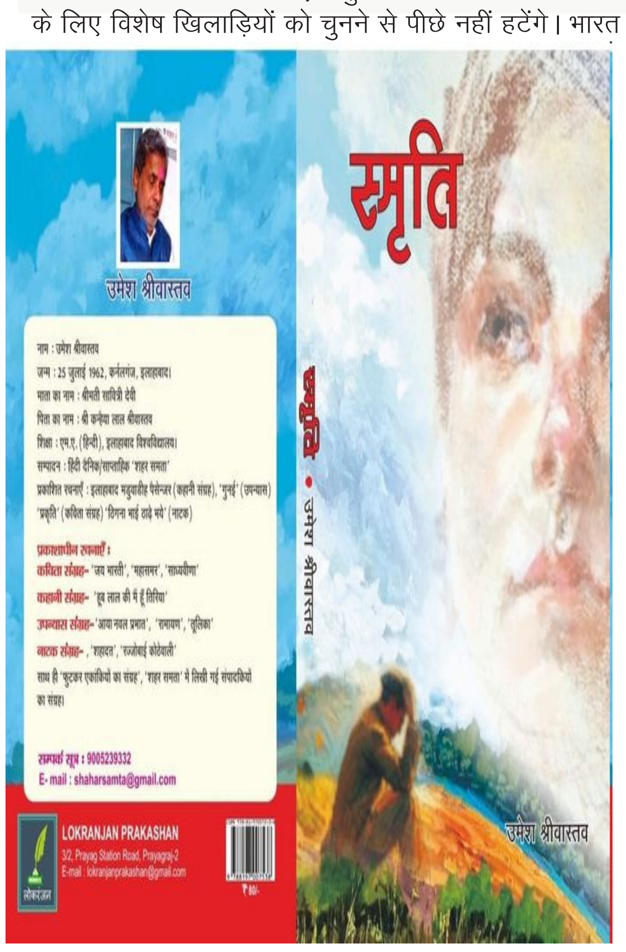


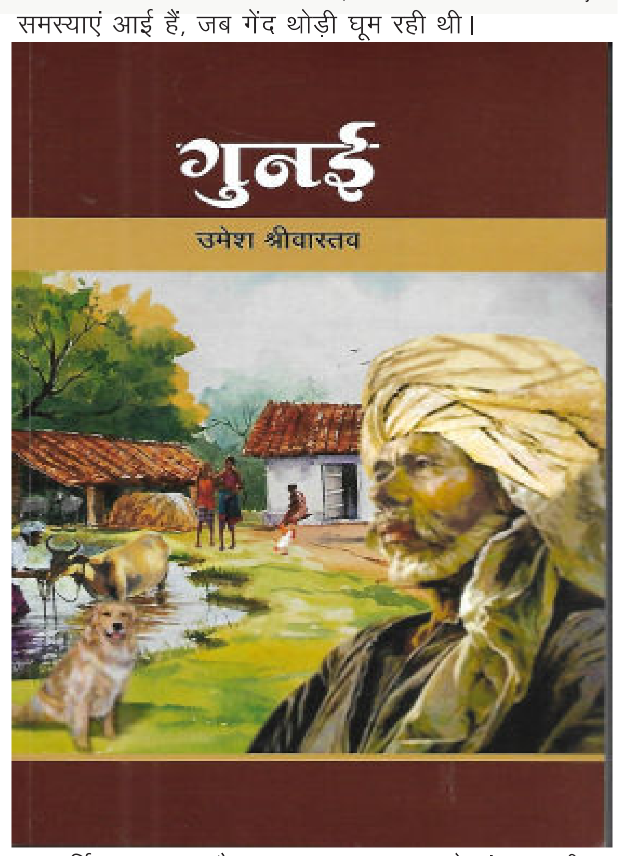


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

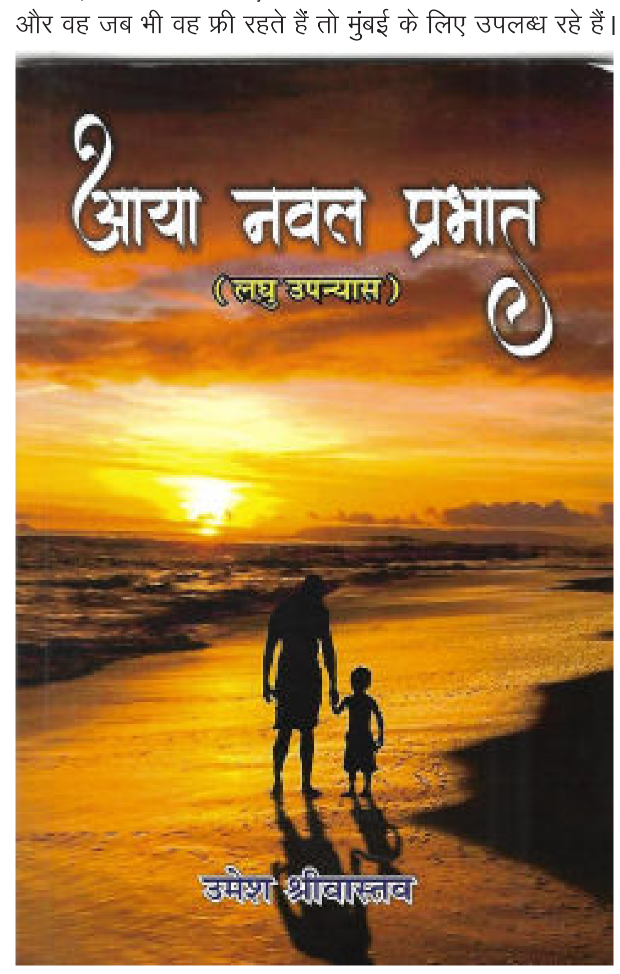


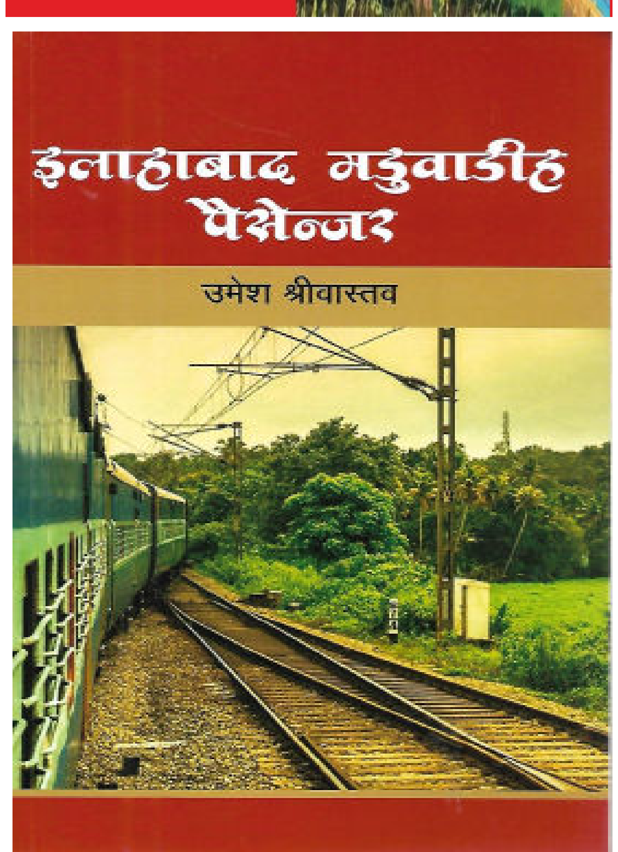


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

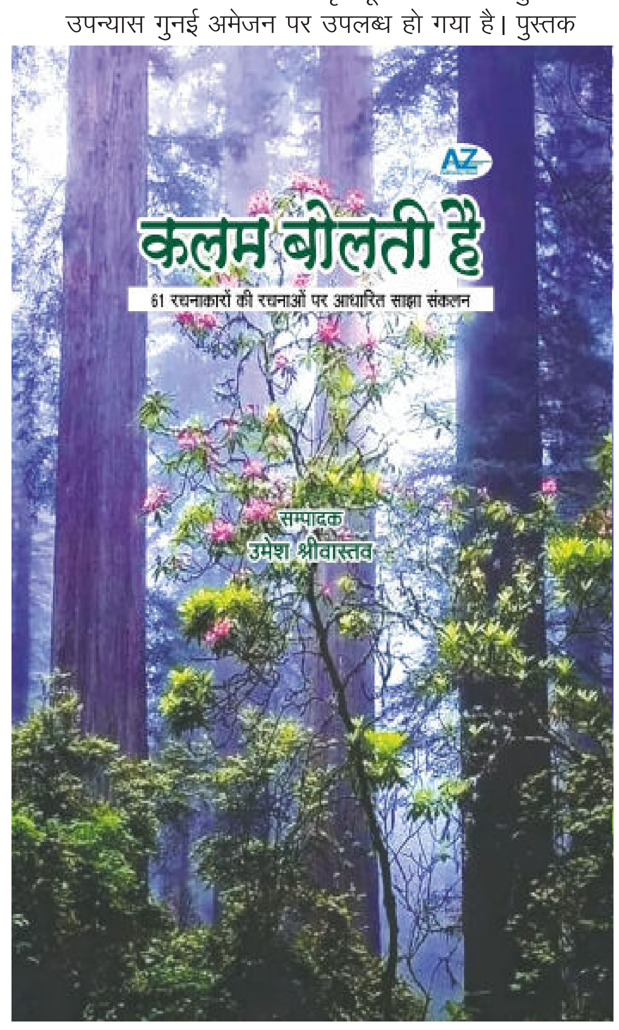


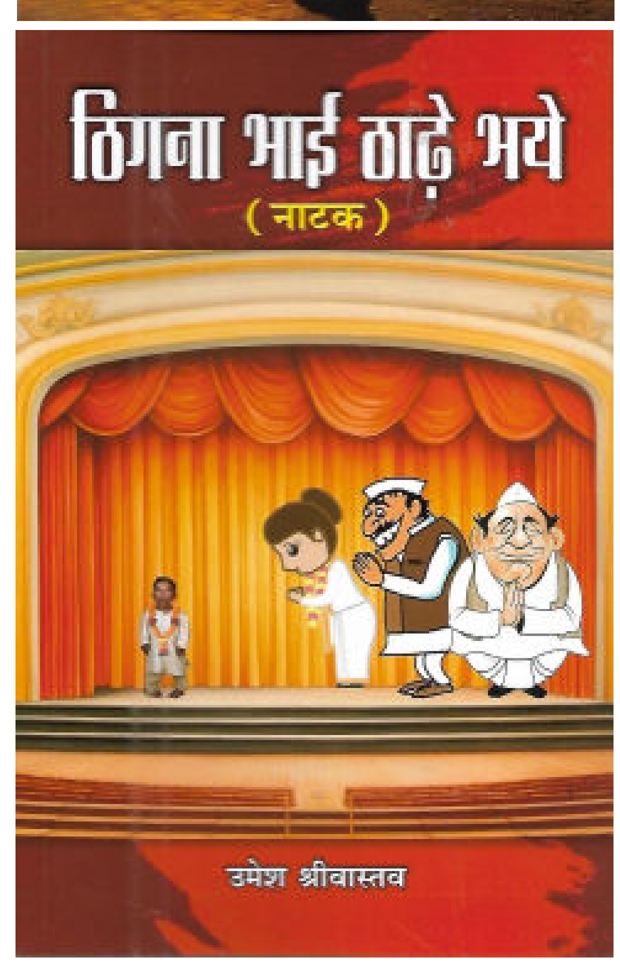


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

# बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अमानवीयता की हदें पार होती देख पाकिस्तानी हिंदू भी घबराये, सब आना चाहते हैं भारत

भारत में लोगों के मन में जातिवाद का जहर फैला रहे विपक्षी नेता देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग कर रहे हैं। लेकिन इन लोगों को देखना चाहिए कि बांग्लादेश में हिंदुओं को उनकी जाति देखकर नहीं बल्कि धर्म देखकर मारा जा रहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं का जो हाल है उस पर पूरा विश्व समुदाय चुप्पी साधे हुए है। यह दर्शाता है कि हमें जातियों में बंटने की नहीं बल्कि समाज के तौर पर एकजुट होने की जरूरत है। सभी को समझना होगा कि एकजुटता से जीत होती है और विभाजन से हार होती है। माना जाता है कि दुनियाभर में हिंदुओं की संख्या 1.2 बिलियन के आसपास है। इसमें से 95 प्रतिशत भारत में हैं जबकि बाकी अन्य देशों में। यह जो पांच प्रतिशत हिंदू अन्य देशों खासकर दक्षिण एशियाई देशों में रह रहे हैं यह यातना भरा जीवन गुजार रहे हैं। अक्सर पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले की खबरें आती ही रहती हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले तो इस समय पूरी दुनिया देख ही रही है साथ ही पाकिस्तानी हिंदुओं को भी अपने साथ हिंसा होने की आशंका सता रही है जिसके चलते वह भी भारत आना चाहते हैं। इस समय बांग्लादेश में हिंदुओं की क्या हालत है यह वहां से आ रहे वीडियोज में देखा जा सकता है। बांग्लादेश में सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन अब हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा में बदल गया है। कई हिंदू मंदिरों, घरों और हिंदू समुदाय से संबंधित अन्य स्थानों को उपद्रवियों की ओर से निशाना बनाया जा रहा है। उग्र इस्लामवादियों द्वारा इस सप्ताह सैंकड़ों हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा चुका है। इस्लामवादियों की हिंदुओं के प्रति बर्बरता और नफरत को दर्शाता जो नया वीडियो वायरल हो रहा है उसने अमानवीयता की पराकाष्ठा दर्शाई गयी है। इस वीडियो में इस्लामवादियों को जमीन पर पड़े एक मृत व्यक्ति को घेरे हुए देखा जा सकता है। मृत व्यक्ति के सिर के नीचे खून बिखरा है और उसके हाथ हथकड़ी से बंधे हुए हैं। उसके चारों ओर बहुत से आदमी इकट्ठे हैं। एक आदमी, जिसका चेहरा वीडियो में नहीं देखा जा सकता, वह छड़ी की मदद से मृत व्यक्ति को नग्न कर देता है और पीड़ित व्यक्ति के गुप्तांग को जांचता है। भीड़ शहिंदू, हिंदूश चिल्लाते हुए, शव के ऊपर हंसती है क्योंकि उस व्यक्ति का खतना नहीं हुआ था और वह हिंदू था। हालांकि अब इस वीडियो को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से हटा दिया गया है लेकिन यह घटना दुनियाभर में चर्चा का विषय बनी हुई है। बांग्लादेश में प्रताड़ना झेल रहे हिंदुओं की करुण गाथा की तमाम खबरें इस समय विभिन्न देशों के मीडिया में छाई हुई हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, राजधानी ढाका में एक हिंदू छात्रा प्रियोंथी चटर्जी ने कहा है कि मुसलमानों ने दक्षिणी बागेरहाट क्षेत्र में उनके

घर पर और उनके परिवार पर हमला किया जिसमें उनके पिता की मौत हो गई और उनकी मां को सिर पर चोटें आईं। उन्होंने कहा कि मेरे पिता एक शिक्षक थे। उन्होंने कहा कि उनके माता–पिता ने मदद के लिए सेना और पुलिस को बुलाने की कोशिश की लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया। अन्य रिपोर्टों में बताया गया है कि बांग्लादेश के विभिन्न जिलों में हिंदुओं के घरों और उनके मंदिरों पर हमले हो रहे हैं। बांग्लादेश के धार्मिक अल्पसंख्यकों के एक संगठन का नेतृत्व करने वाले राणा दास गुप्ता ने कहा है कि हिंदुओं पर हमलों के परिणामस्वरूप कई मौतें हुई हैं और 100 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। उन्होंने कहा, षजिन लोगों के घरों पर हमला किया गया उनमें से कुछ सीधे तौर पर अवामी लीग के समर्थक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में इस समय लक्षित हमले हो रहे हैं। इस बीच, ह्यूमन राइट्स वॉच में एशिया की उप निदेशक मीनाक्षी गांगुली ने हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की रिपोर्टों को ''बेहद चिंताजनक'' बताया है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं पर स्पष्ट रूप से इसलिए हमला किया जा रहा है क्योंकि वे परंपरागत रूप से शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी का समर्थन करते थे। रिपोर्टों के मुताबिक, बांग्लादेश के वीभत्स हालात को देखते हुए वहां के हिंदू भाग कर भारत आना चाहते हैं। बताया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में बांग्लादेशी शरणार्थियों ने सीमा सुरक्षा बलों (बीएसएफ) से गुहार लगाते हुए कहा है कि या तो हमें भारत में शरण दो या यहीं मार डालो। बताया जा रहा है कि 500 से अधिक शरणार्थी भारत में आश्रय की तलाश में नो मैन्स लैंड पर इंतजार कर रहे हैं। एक बांग्ला अखबार, उत्तरबंगा संबाद ने बताया कि बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल के साथ उत्तर दिनाजपुर सीमा के पास नो–मैन्स लैंड पर सैंकड़ों शरणार्थी आए हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि शरणार्थी भारत में आश्रय की तलाश में नो–मैन्स लैंड तक पहुंचने के लिए नगर नदी को पार कर गए। हालांकि बीएसएफ आश्रय देने से इंकार करने और उन्हें वापस लौटने के लिए कह रही है। उत्तरबंगा संवाद की रिपोर्ट है कि 500 से अधिक शरणार्थी, जिनमें वृद्ध लोग और बच्चे भी शामिल हैं, एक ही गुहार के साथ नो–मैन्स लैंड पर खड़े हैं– ''भारत से आश्रय''। बताया जा रहा है कि सीमा सुरक्षा बल ने बुधवार को करीब 120–140 बांग्लादेशी नागरिकों के एक समूह को रोका, जो पश्चिम बंगाल में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय सीमा में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक इस सप्ताह के प्रारंभ में ढाका में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से ही सुरक्षाबल 'हाई अलर्ट' पर हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना दार्जिलिंग के कदमतला में स्थित बीएसएफ के मुख्यालय के अधिकार क्षेत्र में दो स्थानों पर दिन में हुई। उन्होंने बताया कि बीएसएफ के फील्ड कमांडरों ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के अपने समकक्षों से संपर्क किया और महिलाओं और बच्चों के साथ आए 120–140 लोगों के इस समूह को रोका गया तथा उन्हें वापस जाने को कहा गया। अधिकारियों ने बताया कि सीमा पर स्थिति नियंत्रण में है। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में भारत के साथ लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भी सैंकड़ों बांग्लादेशी नागरिक एकत्र हुए और दावा किया कि उनके देश में उन पर हमला हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना झापोर्टला सीमा चौकी क्षेत्र में दक्षिण बेरुबारी गांव के पास हुई। उन्होंने कहा कि अर्धसैनिक बल 'बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश' (बीजीबी) बाद में उन्हें वापस ले गया। उन्होंने कहा कि ये लोग बांग्लादेश के पंचगढ़ जिले के पांच गांवों के थे जिसकी सीमा जलपाईगुड़ी से लगती है। इस संबंध में एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि कंटीले तारों के पार इकट्ठा हुए लोग अंदर आने देने की गुहार लगा रहे थे। व्यक्ति ने कहा, ''लेकिन हम असहाय हैं। उन्होंने (बांग्लादेशियों) अपने भयावह अनुभव बताए।'' दूसरी ओर पाकिस्तान की बात करें तो वहां भी रह रहे हिंदू परिवारों के मन में डर पैदा हो गया है। बताया जा रहा है कि दो पाकिस्तानी हिंदू परिवार अपने सभी सामान के साथ बुधवार को अमृतसर के पास अटारी सीमा से भारत में प्रवेश कर गए और जोधपुर की ओर चले गए। जोधपुर के एक निवासी ने खुद को अशोक बताते हुए कहा कि वह अपनी पत्नी के 16 पाकिस्तानी हिंदू रिश्तेदारों और एक अन्य परिवार के पांच सदस्यों को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के रहीम यार खान से लाया है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक पाकिस्तानी हिंदू टूरिस्ट वीजा पर भारत आना चाह रहे हैं। पाकिस्तानी हिंदुओं को इस बात का भय है कि बांग्लादेश में हो रही हिंसा के चलते उनके खिलाफ भी स्थानीय इस्लामवादी हिंसा पर उतारू हो सकते हैं।

## संक्षिप्त

### राष्ट्रपति मुर्मू ने वेलिंगटन में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को वेलिंगटन रेलवे स्टेशन पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुर्मू तीन देशों की अपनी यात्रा के दूसरे चरण में बुधवार को न्यूजीलैंड पहुंचीं। राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वेलिंगटन रेलवे स्टेशन पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।'' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट

किया, ''बापू की विरासत का सम्मान। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वेलिंगटन रेलवे स्टेशन के समीप महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। महात्मा की विरासत मानव जाति के लिए मार्गदर्शक है। उनकी कालजयी शिक्षाएं हमें प्रेरित करती रहती हैं।'' राष्ट्रपति मुर्मू ने वेलिंगटन में फुकियाहु राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में शहीद सैनिकों को भी पुष्पांजलि अर्पित की। जायसवाल ने कहा, ''शांति एवं स्वतंत्रता के लिए अपनी जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज वेलिंगटन फुकियाहु युद्ध स्मारक में श्रद्धांजलि दी।'' फुकियाहु राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन 18 अप्रैल 2015 को किया गया था और इसका निर्माण प्रथम विश्व युद्ध के 100 वर्ष पूरे होने पर किया गया था।

### पेटा प्रदर्शनकारियों ने वेटिकन में पोप फ्रांसिस के कार्यक्रम में डाली बाधा

पशु अधिकारों की हिमायत करने वाली संस्था 'पीपल्स फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स' (पेटा) के दो कार्यकर्ताओं ने बुधवार को पोप फ्रांसिस की आम सभा को बाधित कर दिया और शोर मचाते हुए और 'बुलफाइटिंग' के खिलाफ नारे लगाए और बैनर दिखाए, जिसके बाद उन्हें परिसर से बाहर कर दिया गया। दोनों ने 'स्टॉप ब्लेसिंग कोरिडास' (बुलफाइटिंग को बढ़ावा बंद करें) लिखी हुई टी–शर्ट पहन रखी थी और

'बुलफाइटिंग इज अ सिन' (बुलफाइटिंग पाप है) लिखे हुए बैनर पकड़े हुए थे। 'पेटा' पोप से अनुरोध कर रही है कि वे कैथोलिक चर्च का बुलफाइटिंग से संबंध समाप्त कर दें तथा इस "घृणित रक्त खेल" की निंदा करें। वेटिकन ने बुधवार के विरोध प्रदर्शन पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

### काठमांडू में हेलीकूप्टर दुर्घटना में पांच लोगों की मौत

नेपाल की राजधानी काठमांडू के उत्तर–पश्चिम में बुधवार को पहाड़ों से टकरा कर एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नुवाकोट जिले के सरकारी प्रशासक कृष्ण प्रसाद हुमागाई ने बताया कि मलबे से चार पुरुषों और एक महिला के शव निकाले गए हैं। अधिकारी ने बताया कि पुलिस और सेना के बचाव दल इलाके में पहुंच गए हैं तथा अभियान में सहायता के लिए दो हेलीकॉप्टर भी भेजे गए हैं। दुर्घटना सूर्यचौर क्षेत्र में जंगल के बीच एक पहाड़ पर हुई। हेलीकॉप्टर ने स्थानीय समयानुसार अपराह्न 1:54 बजे काठमांडू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी और यह स्याप्रुबेशी शहर की ओर जा रहा था। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के एक बयान के अनुसार यह हेलीकॉप्टर नेपाल की विमानन कंपनी 'एयर डायनेस्टी' का था और उड़ान भरने के तीन मिनट बाद ही टावर से इसका संपर्क टूट गया था। अधिकारियों ने बताया कि हेलीकॉप्टर में सवार चारों यात्री चीन के नागरिक थे वहीं पायलट नेपाल का नागरिक था।

## मोहम्मद यूनुस 32वें नोबेल विजेता जो संभालेंगे किसी देश की कमान, इनसे पहले शामिल हैं ये नाम

यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनाने के निर्णय पर राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास और कार्यस्थल बंगभवन में एक बैठक में मुहर लगाई गई, जिसमें तीनों सेनाओं के प्रमुख, ढाका विश्वविद्यालय के दो शिक्षक और भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के समन्वयक उपस्थित थे। अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रपति मोहम्मद सहाबुद्दीन तुरंत छात्र प्रतिनिधियों के उस प्रस्ताव पर सहमत हो गए जिसमें यूनुस से बांग्लादेश को संकट से बाहर निकालने का अनुरोध किया गया था। यूनुस राज्य के प्रमुख बनने के लिए 32वें नोबेल पुरस्कार विजेता बनने जा रहे हैं। लंबे समय से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के आलोचक रहे हैं, जिन्होंने बड़े पैमाने पर आरक्षण विरोधी विद्रोह के कारण 5 अगस्त को इस्तीफा दे दिया और भारत भाग गए। पोलैण्ड के राजनेता लेक वालेसा 1983 में शान्ति का नोबेल पुरस्कार दिया गया था और 1990 में पोलैण्ड के राष्ट्रपति

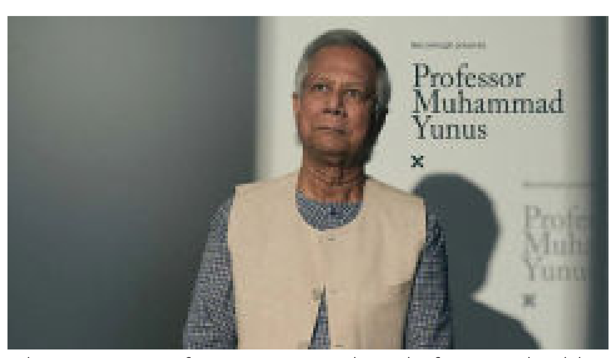


बने। म्यांमार (बर्मा) की एक राजनेता और पूर्व राष्ट्रपिता आंग सान की पुत्री आंग सान सू को 1991 में में नोबेल शांति पुरस्कार प्रदान किया गया। 2016 में म्यांमार का राष्ट्रपति पद संभाला। दक्षिण अफ्रीका के प्रथम अश्वेत राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला को 1993 में पूर्व राष्ट्रपति फ़्रेडरिक विलेम डी क्लार्क के साथ संयुक्त रूप से नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एक साल बाद वो राष्ट्रपति के पद पर काबिज हुए। इज़रायली राजनीतिज्ञ शिमोन पेरेज़ को 1994 में नोबल पुरस्कार मिला और 1995 में वो इज़राइल के प्रधानमन्त्री बने। ख़ोसे मानुएल रामोस होर्ता 1996 के नोबेल शान्ति पुरस्कार विजेता है। 2006 में वो ईस्ट टीमोर के प्रधानमंत्री बने। यूनूस नोबेल पुरस्कार विजेता हैं, जिन्हें सबसे गरीब लोगों का बैंकर भी कहा जाता है। इसे लेकर उन्हें आलोचना का सामना भी करना पड़ा था और एक बार हसीना ने यूनुस को खून चूसने वाला'कहा था। यूनुस हसीना के कटु आलोचक और विरोधी माने जाते हैं। उन्होंने हसीना के इस्तीफे को देश का दूसरा मुक्ति दिवस घ्बताया है। पेशे से अर्थशास्त्री और बैंकर यूनुस को गरीब लोगों, विशेष रूप से महिलाओं की मदद के लिए माइक्रोक्रेडिट के उपयोग में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए 2006 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यूनुस ने 1983 में ग्रामीण बैंक की स्थापना की ताकि उन उद्यमियों को छोटे ऋण उपलब्ध कराए जा सकें जो सामान्यतः उन्हें प्राप्त करने के योग्य नहीं होते। लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में बैंक की सफलता ने अन्य देशों में भी इसी तरह के लघु वित्त पोषण के प्रयासों को बढ़ावा दिया। यूनुस को 2008 में हसीना सरकार की कार्रवाई का सामना करना पड़ा जब उनके प्रशासन ने यूनुस के खिलाफ कई जांच शुरू कीं। यूनुस ने पहले घोषणा की थी कि वह 2007 में एक राजनीतिक पार्टी बनाएंगे, हालांकि उन्होंने अपनी योजना पर अमल नहीं किया। उनकी सरकार ने बांग्लादेश के केंद्रीय बैंक को 2011 में उन्हें ग्रामीण बैंक के एमडी पद से हटा दिया था। इस जनवरी में, यूनुस को श्रम कानूनों के उल्लंघन के लिए छह महीने जेल की सजा सुनाई गई थी।

## बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का भयावह मंजर, RSS के ऐलान के बाद अब क्या होगा?

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा लगातार देखने को मिल रही है। कई हिंदू के घर और मंदिर तोड़े जा रहे हैं। वहीं महिलाओं के साथ दुष्कर्म का भी आरोप लगा है। पुरुषों को जान से मारने की धमकी दी गई है। शेख हसीना के ढाका छोड़ने और देश में तख्तापलट के बाद हिंदुओं पर बहुत ज्यादा हिंसा हो रही है। उनके धर्मस्थलों को निशाना बनाया जा रहा है। दुकान हो या मकान सभी को आग के हवाले किया जा रहा है। ऐसे में बड़ा सवाल कि बांग्लादेश में हिंदुओं के मानवाधिकार को लेकर कोई आवाज कहीं से भी सुनाई नहीं पड़ रही है। न ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई सुगबुगाहट है और नही हैशटैग चलाया जा रहा है। आज बांग्लादेश में सरकार का गठन होना है और रात 8 बजे शपथग्रहण भी होगा। सेना ने मोर्चा संभाला हुआ है। लेकिन इसके बावजूद भी हिंदुओं की सुनने वाला कोई नहीं है। 1 करोड़ 30 लाख हिंदू बांग्लादेश में हैं और उनके घर, संपत्ति से लेकर इज्जत तक दांव पर लगी है। बांग्लादेश के मौजूदा हालात में अल्पसंख्यों की सुरक्षा को लेकर भारत ने भी चिंता जताई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भारत सरकार से वहां की स्थिति पर सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे सरकार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी ने कहा कि आरएसएस सरकार से अनुरोध करता है कि वह पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे, जहां राजनीतिक उथल–पुथल मची हुई है। आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य और इसके पूर्व महासचिव जोशी ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय को निशाना बनाए जाने की खबरें आई हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति के बारे में पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर जोशी ने कहा, ''बांग्लादेश एक अलग राष्ट्र है। यहां से स्वैच्छिक संगठन क्या कर सकते हैं, इसकी अपनी सीमाएं हैं। लेकिन हम (भारत) सरकार से वहां हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि सरकार इस दिशा में कदम उठाएगी।'' व्यापक अशांति और प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के बीच बांग्लादेश में हिंदुओं को निशाना बनाए जाने के बारे में पूछे जाने पर जोशी ने कहा कि ऐसा हुआ है और ऐसी घटनाओं के बारे में खबरें आ रही हैं।

राजनीतिक विरोध प्रदर्शन में निशाने पर हिंदू क्यों?

बांग्लादेश में शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ने के बाद हुई हिंसा में कई हिंदू मंदिरों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई, महिलाओं पर हमला किया गया तथा अवामी लीग पार्टी से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।